Completed 11 years of Success, Beginning of New Year......

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:02 ता. 24 जून 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

शोपियां रेप केस की झूठी रिपोर्ट बनाने वाले डॉक्टर बर्खास्त

श्रीनगर। 2009 के शोपियां रेप केस को लेकर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दो सरकारी डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया। उन पर दो पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जानकारी बदलने का आरोप है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने पाकिस्तान के कहने पर रिपोर्ट में हेरफेर किया था। उस वक्त इस रिपोर्ट के चलते कश्मीर में हिंसा भड़की थी और 42 दिन तक घाटी बंद रही थी। जम्मू-कश्मीर सरकार के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया कि डॉ. बिलाल दलाल अहमद और डॉ. निगहत शाहीन चिल्लू को पद से हटा दिया गया है। उन्होंने इंडिया आर्मी के जवानों के खिलाफ रेप का झूठा केस बनाया था। आसिया (बाएं) और निलोफर (दाएं) की पानी में डूबने से मौत हुई थी। डॉक्टरों ने इन दोनों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बदलाव कर उसे रेप केस बनाया था। आसिया (बाएं) और निलोफर (दाएं) की पानी में डूबने से मौत हुई थी। डॉक्टरों ने इन दोनों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बदलाव कर उसे रेप केस बनाया था।

आर्मी के जवानों पर रेप और हत्या का आरोप लगाया गया था

न्यूज एजेंसी ANI ने सरकारी सूत्रों के हवाले से जानकारी दि कि 30 मई 2009 को शोपियां में दो महिला- आसिया और नीलोफर के शव एक नदी में मिले थे। पानी में डूबने से उनकी मौत हुई थी। इन दोनों महिलाओं का बिलाल और निगहत ने पोस्टमॉर्टम किया था।

रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि 29 मई 2009 को महिलाओं की मौत हुई थी। उन्होंने इंडियन आर्मी के जवानों पर उनका रेप और हत्या करने का आरोप लगाया था।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि डॉक्टरों का मकसद आर्मी के जवानों पर बलात्कार और हत्या का झूठा आरोप लगाकर लोगों को उनके खिलाफ भड़काना था। जांच में यह भी सामने आया है कि तत्कालीन सरकार के सीनियर ऑफिसर को इन चीजों के बारे में जानकारी थी।

नीतीश ने विपक्षी जुटान तो कर लिया, पर एकता ख्वाब से कम नहीं; क्यों राह में मुश्किलें

पटना। तमाम आशंकाओं और सवालों के बीच पटना में विपक्षी दलों की बैठक आखिर हकीकत का रूप लेने जा रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आह्वान पर बुलाई गई यह बैठक आने वाले चुनावों के मद्देनजर बेहद अहम साबित हो सकती है। कहा तो यह भी जा रहा है कि एक टेबल पर लाकर नीतीश कुमार ने अपना काम कर दिया है। लेकिन आगे की राह इतनी आसान नहीं होने वाली। इस बात को जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार की उस बात से भी समझा जा सकता है, जो उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को जवाब देते हुए कही है। नीरज कुमार ने कहा कि जब भी गैर-भाजपाई दल एकजुट हुए हैं, मोदी का जादू फीका पड़ा है और गृहमंत्री की रणनीति भी फेल हुई है। उन्होंने आगे कहा कि साल 2015 में बिहार ने इसे साबित करके दिखाया था और अब वक्त है कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर किया जाए। इतिहास खुद को दोहराएगा। ऐसे में भाजपा की बेचैनी समझी जा सकती है।

भाजपा ने किया है हमला

भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि जिन लोगों ने भारत को लूटा था, भ्रष्टाचार पर प्रहार होता देख खुद को एकजुट करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को अपनी सरकार चलाने के लिए हमेशा एक बैशाखी चाहिए होती है। जब उन्हें लगता है कि उनकी बैशाखी खो रही है, वह तामझाम फैलाने लगते हैं। इस बार भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। उन्होंने कहाकि एकता का कदम एक दिखावा मात्र है। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि इस वक्त भारत में तीन धाराएं चल रही हैं। एक है मेक इन इंडिया, दूसरी है ब्रेकिंग इंडिया और तीसरी है लूटिंग इंडिया। पटना में जो जमावड़ा हो रहा है वह यही तीसरी धारा है। उन्होंने कहा कि इस धारा के आधे नेता फिलहाल बेल पर हैं और बाकी कभी भी जेल जा सकते हैं।

इमरजेंसी के बाद से हालात अलग

सामाजिक विश्लेषक एनके चौधरी ने कहा कि गैर-भाजपाई दलों की बैठक लोकतंत्र के लिए एक स्वागतयोग्य कदम है, हालांकि इसकी अपनी चुनौतियां हैं। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों की वर्तमान जुटान को इमरजेंसी के बाद कांग्रेस के खिलाफ हुई जुटान से भी अलग बताया। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी दलों के पास एकजुट होकर चुनाव लड़ने का अधिकार है। वर्तमान हालात में यह एक सकारात्मक संकेत है। बिना विपक्ष के लोकतंत्र वास्तविक नहीं है, खासतौर पर जब ताकत किसी एक व्यक्ति या दल में ही हो। एनके चौधरी ने आगे कहाकि यह इतिहास की भी झलक दिखाता है। कभी कांग्रेस के पास काफी ताकत थी और तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगा दी थी। तब सभी विपक्षी दलों ने अपने सैद्धांतिक मतभेदों को भुला दिया था। सीपीएम तक इसमें शामिल हुए थे और जनसंघ तो जनता पार्टी में मर्ज हो गया था।

क्षेत्रीय क्षत्रपों को संभालना होगा

चौधरी ने आगे कहा कि भाजपा, जनसंघ का ही पुर्नजन्म है, लेकिन एक अंतर है। जनसंघ कमजोर था, जबकि भाजपा मजबूती से उभरी है। दूसरी बात, इमरजेंसी के बाद सभी विपक्षी दल कमजोर थे और एक पार्टी में शामिल हुए थे। अभी ऐसा नहीं हो रही है। क्षेत्रीय क्षत्रपों, ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल), अरविंद केजरीवाल (दिल्ली व पंजाब), एमके स्टालिन (तमिलनाडु), के चंद्रशेखर राव (तेलंगाना), नवीन पटनायक (ओडिशा) के पास अपनी खुद की जमीन है। वहीं, कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस खुद को साबित करने में जुटी हुई है, लेकिन अन्य दल इतनी आसानी से उसके पाले में नहीं आने वाले हैं। यही असली चुनौती होगी। हालांकि इन सभी का एक साथ आना एक सकारात्मक संकेत देता है।

अगस्त में लॉन्च होगा 'गगनयान' का पहला अबॉर्ट मिशन

इसरो चीफ बोले- कामयाब हुए तो इतिहास रच देंगे हम

अहमदाबाद। भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' के लिए मिशन इस साल अगस्त के अंत में चलेगा जबकि कक्षा में मानव रहित मिशन अगले साल भेजा जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने यह जानकारी दी। यहां भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि गगनयान के लिए पहली और सर्वप्रमुख चीज यह है कि निरस्त किए गए मिशन को अंजाम तक पहुंचाया जाए। उसके लिए हमने परीक्षण वाहन नाम से एक नया राकेट बनवाया है जो श्रीहरिकोटा में तैयार है। क्रू

माड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम के संयोजन की अभी तैयार हो रही हैं। उनके अनुसार, इसका पहला मिशन मानव रहित होगा। दूसरे मिशन में एक रोबोट को भेजा जाएगा और आखिरी मिशन में अंतरिक्ष में तीन एस्ट्रोनाट (अंतरिक्ष यात्री) भेजे जाएंगे। इसरो प्रमुख ने बताया कि दूसरा मिशन अगले साल यानी 2024 में लांच किया जाएगा। यदि इसमें हम कामयाब हुआ तो इतिहास बन जाएगा। इस मिशन को 2022 तक पूरा होना था लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसमें देरी हुई।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया, एक सप्ताह में 9 दहशतगर्द ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियो के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई जारी है। कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए 4 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है।

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही कश्मीर में सुरक्षा बलों ने 5 आतंकियों को मार गिराया था। इसके साथ ही एक सप्ताह में अब तक 9 दहशतगर्दों को ढेर कर दिया गया है।

अनंतनाग में आतंकवादी के सहयोगी का घर कुर्क

इससे पहले कल जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष जांच इकाई (एसआईयू) ने अनंतनाग जिले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकवादी के सहयोगी के घर को कुर्क कर लिया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि एसआईयू आतंकवादियों को पनाह देने और उन्हें रसद सहायता प्रदान करने के मामलों पर कार्रवाई जारी रखते हुए सुबहानपुरा बिजबेहरा इलाके में आतंकवादी के सहयोगी का मकान कुर्क किया।

उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी संख्या 22/2022 के आधार पर जांच के दौरान पता चला कि आतंकवादी के सहयोगी जुबैर अहमद गनी के पिता अब्दुल रहमान गनी के मकान का इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठन के आतंकवादी कर रहे थे।

अब 16 मिनट में पहुंच जाएंगे नई दिल्ली से आईजीआई एयरपोर्ट, मेट्रो की बढ़ गई स्पीड

नई दिल्ली। अब यात्री नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) के टर्मिनल 3 तक केवल 16 मिनट में पहुंच जाएंगे। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने गुरुवार को कहा कि वह 23 किलोमीटर लंबी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन (एईएल) पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन स्पीड तत्काल प्रभाव से बढ़ा रहा है। अब ट्रेन 110 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। पहले यह स्पीड 100 किमी प्रतिघंटा थी। अधिकारियों ने कहा कि ऐसा डीएमआरसी के मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) से अनिवार्य मंजूरी मिलने के बाद किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यात्री अब नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से आईजीआई के टर्मिनल 3 तक लगभग 16 मिनट में पहुंच जाएंगे। पहले उन्हें 19 मिनट का समय लगता था। एईएल छह मेट्रो स्टेशनों से गुजरती है, जिसमें नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन और द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन के बीच चार स्टॉप हैं। डीएमआरसी में कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस के मुख्य कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा, स्पीड बढ़ाने से एयरपोर्ट सिटी सेंटर और राजीव चौक के बहुत करीब आ गया है, जहां अब 16 मिनट के अंदर पहुंचा जा सकता है। नई दिल्ली और द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए अब 20 मिनट की यात्रा करनी होगी। यह पहले की स्पीड से तीन से चार मिनट पहले पहुंचा देगी।

दयाल ने कहा कि डीएमआरसी आने वाले हफ्तों में एईएल पर मेट्रो की गति 120 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में 120 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति सीमा लागू होने के बाद पूरे एईएल पर यात्रा का कुल समय 19 मिनट तक कम हो जाएगा। डीएमआरसी ने कहा कि इस वृद्धि के साथ, उसने भारतीय मेट्रो में एक नया मानदंड स्थापित किया है और देश की सबसे तेज मेट्रो में से एक होने का गौरव बरकरार रखा है।

यूपी-बिहार और उत्तराखंड में आना वाला है मॉनसून, इस दिन से मिलेगी गर्मी से राहत

नई दिल्ली। मॉनसून देरी से ही सही, लेकिन अब उत्तर भारत में आने को तैयार है। गुरुवार को दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में मॉनसून ने दस्तक दी है। इसके बाद उत्तर भारत की ओर भी अगले 2 से 3 दिनों में मॉनसून रुख कर सकता है। मॉनसून 8 जून को एक सप्ताह की देरी से केरल के तट पर पहुंचा था, लेकिन उसके बाद से ही रफ्तार कम थी। देश के पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर अन्य हिस्सों में मॉनसून की रफ्तार कम थी। मौसम विभाग का कहना है कि अब मॉनसूनी बारिश देश के ज्यादातर हिस्सों में शुरू होगी। खासतौर पर यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तर भारत के राज्यों में यह सक्रिय होने वाला है। अप्रैल

● **देश के पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर अन्य हिस्सों में मॉनसून की रफ्तार कम थी। मौसम विभाग का कहना है कि अब मॉनसूनी बारिश देश के ज्यादातर हिस्सों में शुरू होगी।**

और मई में कई राज्यों में खूब बरसने वाले बादल जून महीने में कम ही मेहरबान रहे हैं। जून में बारिश में अब तक 31 फीसदी की कमी देखने को मिली है। यहां तक कि केरल, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक जैसे इलाकों में जहां 11 जून तक मॉनसून पहुंच जाया करता है, वहां भी अब तक बारिश ठीक से नहीं हुई है। माना जा रहा है कि अब मॉनसून सक्रिय हो सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिपरजॉय चक्रवात के चलते भी मॉनसून में यह ठहराव था। अब चक्रवात गुजर गया है और नए सिरे से दबाव बन रहा है। मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार को आंध्र प्रदेश के ज्यादातर इलाकों और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में मॉनसून पहुंच गया। इसके अलावा ओडिशा, बंगाल, झारखंड और बिहार के लिए भी मॉनसून ने रुख किया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों में मॉनसून ओडिशा, बंगाल, झारखंड और बिहार को मॉनसून कवर कर लेगा। इसके अलावा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के भी कुछ इलाकों में मॉनसून दस्तक दे देगा। खासतौर पर अगले एक सप्ताह के दौरान मध्य भारत में अच्छी खासी बारिश होने का अनुमान है।

दिल्ली, पश्चिम यूपी, हरियाणा और राजस्थान में भी अगले एक सप्ताह तक रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। बता दें कि दिल्ली में एनसीआर में इस सप्ताह की शुरुआत में भी अच्छी बारिश हो चुकी है। अब एक सप्ताह फिर से बारिश होने से गर्मी से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

ओडिशा रेल हादसे के 20 दिन बाद पांच अधिकारियों का तबादला, रेलवे के आदेश से संदेह

नई दिल्ली। ओडिशा में हुए तीन दशकों के सबसे भीषण रेल हादसे के बाद 20 दिन बाद रेलवे बोर्ड ने यहां से पांच लोगों का ट्रांसफर किया है। इनमें दक्षिण पूर्वी रेलवे के डीआरएम का ट्रांसफर भी शामिल है। बता दें कि बालासोर दक्षिण पूर्वी रेलवे (एसईआर) के ही तहत आता है। गौरतलब है कि दो जून की शाम को कोरोमंडल एक्सप्रेस बालासोर के बहानागा बाजार स्टेशन पर एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। जिसके बाद इसके कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए थे और फिर यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से टकरा गए थे। इस हादसे में 292 लोगों की मौत हो गई थी और 1,100 से अधिक घायल हो गए थे। हादसे की एक साथ दो जांच चल रही है। इसमें से एक एक रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा और दूसरी जांच सीबीआई कर रही है।

इनका हुआ तबादला

एसईआर के पांच तबादला आदेशों में मोहम्मद शुजात हाशमी, डीआरएम खड़गपुर, प्रिंसिपल चीफ सुरक्षा अधिकारी (पीसीएसओ) चंदन अधिकारी, पीएम सिकदर, प्रिंसिपल चीफ सिग्नल और दूरसंचार अभियंता शामिल हैं। एक डीआरएम अपने डिवीजन में सभी ट्रेन सेवाओं का प्रभारी होता है। इस बीच खड़गपुर डीआरएम सहित पांच अधिकारियों के तबादले ने एक्सपर्ट्स के बीच संदेह पैदा कर दिया है कि क्या मामले में रेलवे कर्मचारी भी दोषी हैं?

ऐसा है ट्रांसफर ऑर्डर

ट्रांसफर ऑर्डर में लिखा है कि 'रेल मंत्रालय ने राष्ट्रपति की मंजूरी से फैसला किया है कि केआर चौधरी, वर्तमान में अध्यक्ष/आरआरबी/अजमेर के रूप में कार्यरत, उन्हें दक्षिण पूर्व रेलवे में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्हें शुजात हाशमी की जगह डीआरएम/खड़गपुर के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। आगे लिखा है कि पी एम सिकदर, जो कि वर्तमान में पीसीएसटीई के

रूप में कार्यरत हैं, उन्हें उत्तर मध्य रेलवे में पद के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए और ओएसडी और के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। इसके अलावा वर्तमान में पीसीएसओ के रूप में काम कर रहे चंदन अधिकारी को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

तोड़फोड़ का संकेत

रेलवे के एक पूर्व अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रेलवे दुर्घटना का कारण तोड़फोड़ का संकेत दे रहा है। हालांकि उसी डिवीजन के अन्य अधिकारियों के साथ डीआरएम का स्थानांतरण संदेह पैदा करता है कि रेलवे कर्मचारियों की गलती थी। इसकी पुष्टि अंतरिम रिपोर्ट से हो सकती है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि इन सभी तबादलों का दुर्घटना से कोई संबंध नहीं है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये नियमित तबादले हैं। सीआरएस की अंतरिम रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई की रिपोर्ट से पहले रिपोर्ट रेलवे को नहीं सौंपी जा सकती है। हालांकि, रेलवे के पूर्व अधिकारियों ने इससे इनकार किया था। उन्होंने कहा कि सीआरएस रिपोर्ट अलग से होनी चाहिए। रेल बोर्ड के एक पूर्व सदस्य ने बताया कि सीबीआई और सीआरएस को इन निष्कर्षों पर एक अलग रिपोर्ट जारी करनी चाहिए।

अब्दुल्ला-मुफ्ती के शासन काल में जम्मू-कश्मीर में 42000 लोगों की मौत हुई : शाह

कांग्रेस 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल

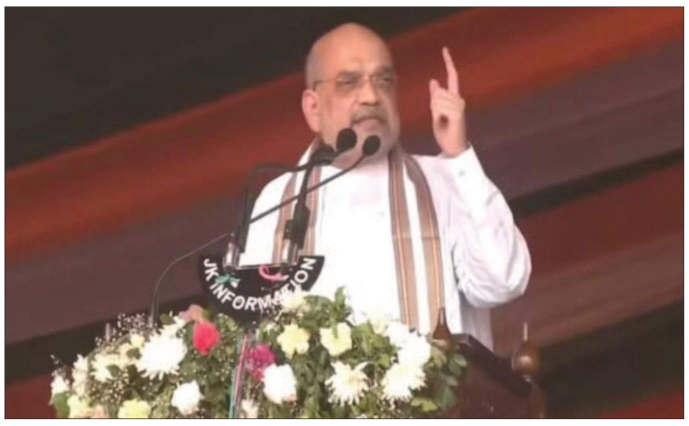

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने पर जम्मू में पहुंचे हैं। यहां जेडीए मैदान में बीजेपी की जनसभा में केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताकर शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक नागरिक को 5 लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया कश्मीर बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। पूरा देश जानता है कि उन्हीं की वजह से बंगाल आज भारत के साथ है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 का विरोध कर कहा था कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।

शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाकर कहा, कांग्रेस 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल थी। जबकि, मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार के एक भी मामले का आरोप नहीं लगाया जा सकता।प्रदेश में आतंक पर नकेल कसी गई है। उन्होंने अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों को निशाना बनाकर कहा कि उनके कार्यकाल में आतंक के कारण जम्मू-कश्मीर में 42000 लोगों की मौत हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि परिवार बताएं कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है?

केंद्रीय मंत्री शाह ने जनसभा से पहले जेएंडके-ए स्टोरी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे। इसके पहले उन्होंने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी जी को उनके बलिदान दिवस पर बीजेपी मुख्यालय के बाहर श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृहमंत्री शाह सांबा में विकास परियोजनाओं का वर्चुअल तरीके से शिलान्यास भी करने वाले हैं। शाम को वह श्रीनगर रवाना होने वाले हैं। वहां राजभवन सभागार में कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने वाले हैं। शनिवार को सुबह साढ़े दस बजे शाह श्रीनगर में बलिदान स्तंभ का शिलान्यास करने वाले हैं।

केंद्र सरकार के अध्यादेश को लेकर फैसला मानसून सत्र से पहले होगा : खरगे

नई दिल्ली ।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण से जुड़े केंद्र सरकार के अध्यादेश को लेकर फैसला संसद के आगामी मानसून सत्र के शुरू होने से पहले होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शायद यह पता होगा कि अध्यादेश का विरोध या समर्थन संसद के बाहर नहीं, संसद के भीतर किया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने यह टिप्पणी उस समय में की, जब आम आदमी पार्टी (आप) के सूत्रों ने कहा था कि अगर कांग्रेस ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ उस समर्थन देने का वादा नहीं किया, तब 'आप' विपक्षी दलों की शुक्रवार को पटना में होने वाली बैठक से बाहर होगी। आप के रुख के बारे में खरगे ने कहा, शायद वह (केजरीवाल) खुद जानते हैं कि अध्यादेश का समर्थन या विरोध बाहर नहीं होता, यह सब सदन के अंदर होता है। संसद सत्र शुरू होने से पहले सारी पार्टियां मिलकर एजेंडा तय करती हैं, यह उन्हें मालूम होगा। 18-20 पार्टियों की बैठक होती है, जिसमें हर पार्टी के नेता शामिल होते हैं।

कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया, कश्मीर के दौरे पर केंद्रीय मंत्री शाह

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। आतंकवादी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। कुपवाड़ा में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में पीओके से घुसपैठ की कोशिश कर रहे चार आतंकवादियों को मार गिराया गया। एक सप्ताह में सुरक्षा बलों द्वारा विफल की गई यह दूसरी बड़ी घुसपैठ की कोशिश थी। मुठभेड़ कुपवाड़ा के मच्छल सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब हुई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि आतंकवादी पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर से हमारी सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। मारे गए घुसपैठियों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है। इस घटना के बाद से पूरे उत्तरी कश्मीर पर एलओसी पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना ने सभी फील्ड कमांडरों को दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कहा है। बीते 15 दिनों में उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में यह घुसपैठ का तीसरा और मच्छल सेक्टर में दूसरा प्रयास है। संबंधित सैन्याधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के हुई घुसपैठ को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के दौरान कश्मीर में किसी बड़े आतंकी हमले और श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान अफरा तफरी फैलाने की आतंकी साजिश के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल, इस साजिश को नाकाम कर दिया गया है। इस दौरान उन्हें गोलियों से छलनी चार आतंकियों के शव, चार एसाल्ट राइफल, 12 मैगजीन, 250 कारतूस व अन्य साजो सामान मिला है। मारे गए आतंकियों की तत्काल पहचान नहीं हुई है, लेकिन उनके जैश-ए-मोहम्मद या लश्कर ए तैयबा से संबधित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल, उनके कुछ और साथियों के वहीं कहीं छिपे होने की संभावना के आधार पर तलाशी अभियान जारी रखा गया है।

पहले विदेशी पर्यटक ताजमहल देखने आते थे और अब स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने आते हैं : सीआर पाटील

राजकोट ।गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने ताजमहल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीआर पाटील का कहना है कि पहले विदेशी पर्यटक भारत में ताजमहल देखने आते थे, लेकिन अब समय बदल गया और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। राजकोट के नाना मवा चौक पर आयोजित जनसभा में सीआर पाटील ने कहा कि नर्मदा जिले के केवडिया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा बनाई गई है। जबकि आगरा में 17वीं शताब्दी के मध्य में मुगल शासक शाहजहां द्वारा बनाया गया ताजमहल को दुनिया के अजुबों में एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि पहले जब कभी विदेशी पर्यटक भारत में आते थे तब वह कहते थे 'हम ताजमहल देखने आए हैं।' लेकिन अब भारत में आनेवाले विदेशी पर्यटक कहते हैं 'हम स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने आए हैं।' आज विदेशी पर्यटक देश के महान व्यक्ति की प्रतिमा और हमारे राष्ट्र का गौरव देखने आते हैं। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्रणी स्वाधीनता सैनानी और स्वतंत्र भारत के पहले उप प्रधनमंत्री व गृह मंत्री सरदार पटेल को योग्य श्रद्धांजलि दी है। गुजरात भाजपा प्रमुख ने कहा कि भारत जब आजाद हुआ तब सरदार पटेल ने रातों रात 562 रजवाड़ों एक कर अखंड भारत का निर्माण किया था। अखंड भारत का निर्माण करने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह सरदार पटेल हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा उनकी प्रतिभा के प्रमाण में होनी चाहिए, इसलिए पीएम मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के नौ साल की उपलब्धियां जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजकोट में जनसभा का आयोजि किया गया था। जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला, महिला एवं बाल विकास मंत्री भानु बाबरिया, स्थानीय सांसद, विधायक और भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

विमान में फोन पर 'हाईजैक' के बारे में बात करने के आरोप में एक यात्री गिरफ्तार

मुंबई। विस्तार एयरलाइन के विमान में चालक दल के एक सदस्य ने एक यात्री को फोन पर 'हाईजैक' के बारे में बात करते हुए सुना जिसके बाद मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बृहस्पतिवार रात को यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''दिल्ली जाने वाली विस्तार एयरलाइन की उड़ान के चालक दल के एक सदस्य ने यात्री को अपने फोन पर विमान 'हाईजैक' के बारे में बात करते सुना था। चालक दल के सदस्य ने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया और पुलिस को भी इसकी सूचना दी।'' उन्होंने कहा, ''पता चला है कि यात्री मानसिक रूप से अस्थिर है और 2021 से उसका उपचार जारी है।'' उन्होंने कहा कि यात्री के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 336 (लापरवाही या गलत इरादे से लोगों के जीवन या व्यक्ति अथवा अन्य की सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गुजरात की बिजली कंपनियों को चक्रवात बिपरजॉय से 1013 करोड़ के नुकसान का अनुमान

गांधीनगर। गुजरात सरकार के आंकड़ों के मुताबिक चक्रवात बिपरजॉय से बिजली कंपनियों को 1013 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। प्रभावित क्षेत्रों में 30 जून तक बिजली बहाल कर दी जाएगी। ऊर्जा विभाग ने कहा कि चक्रवाती हवाओं, भारी बारिश ने सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के 8 प्रभावित जिलों और उत्तरी गुजरात के 2 जिलों के बिजली ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क को काफी नुकसान पहुंचाया है। बहाली प्रक्रिया में 140 किमी प्रति घंटे की हवा की गति वाले क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बहाल करना शामिल था, जिसमें बिजली टावरों, सबस्टेशनों, बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर और सर्विस केबलों की मरम्मत और पुन- स्थापना शामिल थी। 400 केवीए, 220 केवीए और 132 केवीए क्षमता वाले कुल 12 सबस्टेशनों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी, अब सभी सबस्टेशनों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। हालांकि 243 केवीए क्षमता वाले 66 सबस्टेशन और 76 ट्रांसमिशन टावर क्षतिग्रस्त हैं। बहाली में तेजी के लिए, पीजीवीसीएल, जीयूवीएनएल, एमजीवीसीएल, डीजीवीसीएल और यूजीवीसीएल के 2089 से अधिक कर्मियों वाली टीमों को प्रभावित जिलों में तैनात किया गया है। कुल 3495 कस्बों और 4917 गांवों को कवर करते हुए 8 जिलों में बिजली आपूर्ति की बहाली पहले ही पूरी हो चुकी है। हालांकि भारी जलभराव और कुछ क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाई के कारण शेष 28 गांवों में बिजली बहाली नहीं हुई है।

कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में शौचालय सहित बुनियादी सुविधा नहीं होने पर दुखी हुए जज

बेंगलुरु ।कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के मानदंडों के अनुसार सरकारी विद्यालयों में शौचालय सहित बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने में कर्नाटक सरकार की निष्क्रियता पर नाराजगी जाहिर की है। अदालत ने कहा कि इस स्थिति में माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने से कतरते हैं। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले और न्यायमूर्ति एमजेएस कमल की पीठ ने कहा कि उसकी अंतरात्मा विद्यालयों की दुर्दशा से आहत है। कर्नाटक सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट और तस्वीरों की जांच के बाद खंडपीठ ने पाया कि विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति काफी दयनीय है, और शौचालयों के आसपास का क्षेत्र झाड़ियों से भरा हुआ था।

प्रयागराज पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बकरीद के त्योहार एवं कावंड मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए समन्वय बैठक सम्पन्न

सूरत भूमि, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में कावंड़ यात्रा एवं बकरीद की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि कावंड यात्रा मार्गों पर पड़ने वाले सभी सड़कों को 01 जुलाई तक सही कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने क्रासिग पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है जिलाधिकारी ने सड़कों के किनारे लगाने वाले लंगरों/भण्डारें के आयोजन को सड़क से दूरी पर कराये जाने के लिए कहा है, जिससे मार्ग में अनावश्यक भीड़ न हो उन्होंने क्रासिंग पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाये जाने के लिए कहा है मंदिरों पर प्रवेश एवं निकास की अलग-अलग व्यवस्था रखने के साथ ही पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है जिलाधिकारी ने मंदिरों में सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरा भी लगाये जाने के लिए कहा है जिलाधिकारी ने कावंड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले सीएचसी एवं पीएचसी पर चिकित्सक, दवाओं एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक स्थल पर कुर्बानी के अवशेष न रखे जाये तथा वहां की सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये एवं अवशेष को दूर रखकर निस्तारित किया जाये नगरीय क्षेत्रों में कहीं भी जल जमाव न होने पाये तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये तथा विद्युत की समुचित व्यवस्था बनायी रखी जाये उन्होंने कहा कि जहां पर भी जर्जरतार हो, उसे तुरंत ठीक करा लिया जाये जिलाधिकारी ने सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखे जाने के लिए कहा है कोई भी अनावश्यक पोस्ट न डाले, जिससे महौल खराब हो जिलाधिकारी ने बकरीद के त्योहार के दृष्टिगत समीक्षा करते हुए कहा कि पीने के पानी तथा साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रहे तथा अवशेष ठीक जगह पर ही निस्तारित किया जाये नगर निगम एवं सभी नगर पंचायतें इस पर ध्यान देंगे जल निगम चेक करा ले कि कहीं पर भी पाइप आदि लिकेज है, तो उसे तुरंत ठीक करा लें तथा साफ-सफाई के साथ-साथ ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी सुनिश्चित किया जाये सुअर पालकों से एनओसी लिया जाये ताकि सुअर इधर-उधर न घूमने पायें जिलाधिकारी ने कावड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए नगर निगम को सभी घाटों पर प्रकाश, पीने के पानी, मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित रहे तथा नियंत्रण कक्ष भी बनाये जाने के निर्देश दिए है घाटों पर स्लोपिंग तथा जो भी सड़क पर गड्डे है, उसे दुरूस्त कराये जाने के निर्देश दिए है तथा जहां पर भी बैरिकेंटिंग की आवश्यकता है, उसे चिन्हित कर बैरिकेटिंग सुनिश्चित करायी जाये शहर के मंदिरों की तैयारी की समीक्षा करते हुए कहां कि जहां जरूरत हो, वहां वीडियोग्राफी तथा सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाया जाये उन्होंने यातायात की समीक्षा करते हुए कहा कि ट्रैफिक और पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये तथा पीएस सिस्टम आदि भी लगाये जाये तथा कावंड़ यात्रा मार्गों पर पानी के टैंकर लगाये जाने के निर्देश दिए है।

पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने कहा कि पूर्व में निर्धारित परम्परा के अनुसार ही पर्वों को मनाया जाये, कोई नई परम्परा न शुरू की जाये उन्होंने खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा दुकानों पर अनिवार्य रूप से रेट लिस्ट चस्पा कराये जाने के लिए कहा है पुलिस आयुक्त ने थानाध्यक्षों को कावंड यात्रा मार्गो पर पड़ने वाले क्षेत्रों के ग्राम प्रधानों के साथ बैठक करने के लिए कहा है पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने डीसीपी नगर, डीसीपी गंगापार एवं डीसीपी यमुनापार तथा सम्बंधित उपजिलाधिकारीगणों के साथ बिंदुवार विस्तार से समीक्षा की इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त, एडीएम सिटी मदन कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व जगदम्बा सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज, सिटी मजिस्ट्रेट सत्यप्रिय सिंह, सिविल डिफेंस सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मणिपुर के हालात संभालने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री शाह की काफी : फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मणिपुर के हालात संभालने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर्याप्त हैं, इस काम के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने की जरूरत नहीं है। फडणवीस का यह बयान शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे के उस बयान के कई दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर प्रश्न किया था कि वह शांति बहाली के लिए मणिपुर जाने के बजाए अमेरिका का दौरा क्यों कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने भारत में कोरोना वायरस रोधी टीके के निर्माण की दिशा में पहल का श्रेय फिर प्रधानमंत्री मोदी को देकर कहा कि उनके कारण ही देश के 140 करोड़ नागरिकों को निश्शुल्क टीके दिए गए वरना ''करोड़ों लोगों की मौत हो गई होती।''

सातारा जिले के कराड़ शहर में रैली को संबोधित कर फडणवीस ने ठाकरे का नाम लिए बगैर कहा, ''कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के एक नेता ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका जा रहे हैं लेकिन मणिपुर नहीं जा रहे। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि हमारे गृह मंत्री शाह मणिपुर के हालात संभालने के लिए काफी हैं। मोदीजी को वहां जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, आप (ठाकरे) मातोश्री (ठाकरे का निजी आवास) से वर्ली (मुंबई का उपनगर) तक नहीं जाते, और आप प्रधानमंत्री से कह रहे हैं कि वह अमेरिका की बजाय मणिपुर जाएं। क्या उन्हें (ठाकरे को) इस पर बोलने का कोई अधिकार है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री ने हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए 24 जून को नयी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। फडणवीस ने भारत में कोरोना संक्रमण रोधी टीके के निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया था। इस पर ठाकरे ने व्यंग्य करते हुए कहा था , अगर मोदीजी ने टीका बनाया तब वैज्ञानिक क्या कर रहे थे? क्या वे घास छील रहे थे?''उप मुख्यमंत्री ने कहा,'' आज मैं फिर दोहरा रहा हूं कि प्रधानमंत्री ने टीका बनाया क्योंकि दुनिया के केवल पांच देश टीके की खुराक बना सकते थे। कई देशों के पास कच्चा माल था लेकिन वे उस अन्य देशों के साथ साझा नहीं कर रहे थे। ये प्रधानमंत्री के अन्य देशों के साथ संबंध थे जिसके कारण हमें कच्चा माल मिलने में मदद मिली।

पीएम आवास योजना के तहत बने दलितों के घर पर चला बुलडोजर

-दिग्विजय और मायावती ने साधा निशाना

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में 7 दलितों का घर तोड़ने का मुद्दा तूल पकड़ता दिख रहा है। पीएम आवास योजना के तहत बने घरों पर बुलडोजर चलाने के बाद राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मौके पर धरना देने पहुंच गए तब दलितों को केंद्र में रखकर राजनीति करने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भी शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। वहीं, गृहमंत्री ने कहा है कि जिन परिवारों के घर तोड़े गए हैं उनके लिए नए घर बनाए जाएंगे।

घटना के बाद धरने पर बैठे दिग्विजय ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की। उन्होंने सवाल खड़ा किया कि यदि पीएम आवास योजना के तहत ये घर वन भूमि पर बनाए गए तब पहले सरकार क्यों सो रही थी। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत मिले घरों को वन विभाग की भूमि पर बनाया गया था। इस लेकर एक साल पहले ही नोटिस भी दिया गया था। इसके बाद एक्शन लिया गया है। सागर के जिला कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा, सात घर गिराए गए हैं क्योंकि वह वन भूमि पर बने थे। हम एक साल से नोटिस दे रहे थे। ये आवास पीएम आवास योजना के तहत बने थे। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूमि पट्टा देकर परिवारों को बसाया जाएगा।

राहुल गांधी ने स्वीकार कर लिया वे अपने दम पर पीएम मोदी को नहीं हार सकते : स्मृति ईरानी

-84 के दंगों के माध्यम से गांधी परिवार से मोहब्बत का इजहार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विपक्षी दलों की बैठक को हास्यास्पद बताकर कहा कि आज कांग्रेस की छत्रछाया में कुछ नेता एकत्र हो रहे हैं, जिन्होंने आपातकाल के समय में लोकतंत्र की हत्या का नजारा स्वयं देखा था। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की हालत पर कटाक्ष कर कहा कि कांग्रेस ने सार्वजनिक तौर पर यह घोषित कर दिया है कि कांग्रेस अपने दम पर नरेंद्र मोदी को हराने में नाकाम है और उन्हें सहारे की जरूरत है। उन्होंने अन्य विपक्षी दलों पर भी कटाक्ष कर कहा कि आज वे नेता एकत्र हो रहे हैं, जो स्वयं मोदी के सामने विफल हैं।

राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधकर स्मृति ईरानी ने कहा कि ताकत अब महल से निकलकर जनता के पास आ गई है। इसलिए जो लोग सिर्फ अपनी विरासत पर राजनीतिक घमंड करते हैं, आज उन्हें चलकर उन लोगों के सामने जाना पड़ता है, जिन्हें एक दिन आपातकाल के समय उन्होंने जेल की सलाखों के पीछे छोड़ा था। लेकिन गए भी तब कहां गए जो लोग एक पुल नहीं बना सकते हैं वह डेमोक्रेटिक ब्रिज क्या खाक बना पाएंगे?

उन्होंने आम आदमी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि जनता इस बात से सचेत हो रही है कि जो लोग विकास के संकल्प के साथ एकजुट ना हो पाए, वे ब्लैकमेल का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। जो विकास का संकल्प लेकर एकजुट ना हो पाए, वे आपातकाल की छत्रछाया में एकजुट हो रहे हैं। एक नेता घर से निकलते कह रहा है कि पता नहीं वहां क्या होगा? दूसरा नेता कह रहा है जो होगा देखा जाएगा। तीसरा नेता कह रहा है कि मेरा नहीं देखोगे तब कुछ नहीं देखा जाएगा।

राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान वाले बयान पर स्मृति ईरानी ने सवाल पूछा कि क्या 84 के दंगों के माध्यम से गांधी खानदान ने मोहब्बत का इजहार किया था? क्या यूनिवर्सिटी में जाकर भारत तेरे टुकड़े होंगे का नारा देकर गांधी खानदान ने मोहब्बत का इजहार किया था? क्या देश में आपातकाल लगाकर मीसा के अंतर्गत निर्दोष हिंदुस्तानियों को जेल में डालकर गांधी खानदान ने मोहब्बत का इजहार किया था? क्या पेड़ गिरना और धरती का कांपना मोहब्बत का इजहार है?

कई राज्यों में पहुंचा मानसून, कुछ जगह भारी बारिश की संभावना: मौसम विभाग

- अगले सात दिनों में देश के उत्तर-पूर्व और इससे सटे पूर्व में अधिकांश स्थानों पर हल्की और मध्यम बारिश होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण पश्चिम मानसून कई राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेलंगाना के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश के अधिकांश हिस्सों, ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य-उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, गंगीय पश्चिम बंगाल के अधिक हिस्सों, झारखंड और बिहार की ओर बढ़ गया है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने कहा कि अगले दो-तीन दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ और हिस्सों, ओडिशा के शेष हिस्सों, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार और छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इस बीच विदर्भ के अलग-अलग हिस्सों में गर्मी की लहर जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी भविष्यवाणी की है कि अगले सात दिनों के दौरान देश के उत्तर-पूर्व और इससे सटे पूर्व में अधिकांश स्थानों पर हल्की और मध्यम बारिश होगी, साथ ही अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की भी संभावना है। इसमें कहा गया कि 23 जून को असम, मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश होगी।

आईएमडी ने यह भी कहा कि 23 जून को बिहार में, 25 जून को गंगीय पश्चिम बंगाल में और 22-26 जून के दौरान ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, 23 से 25 जून को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसमें कहा गया है ?कि पूर्वी भारत में 27 जून से बारिश बढ़ने की संभावना है और 27-28 जून के दौरान ओडिशा, दक्षिण झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल के आसपास के इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच 23 से 28 जून तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में और 25 जून से पश्चिम राजस्थान को छोड़कर उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अलग-अलग गरज और बिजली के साथ हल्की, मध्यम व्यापक वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, 27-28 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

लापता सबमर्सिबल टाइटन में सवार सभी पांच लोगों की मौत

ओटावा । अमेरिकी तटरक्षक बल ने घोषणा की है कि टाइटैनिक के पास खोजकर्ताओं को लापता पनडुब्बी टाइटन का मलबा मिला है। यूएस कोस्ट गार्ड रियर एडमिरल जॉन माउगर ने बताया कि रिमोट से संचालित वाहन (आरओवी) ने समुद्र तल पर टाइटैनिक से लगभग आधा किलोमीटर दूर टाइटन पनडुब्बी के टेल कोन की खोज की। माउगर ने कहा, बाद में आरओवी को अतिरिक्त मलबा मिला। उन्होंने कहा, मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। सबमर्सिबल का स्वामित्व और संचालन करने वाली अमेरिका स्थित कंपनी ओशनगेट एक्सपीडिशन ने कहा कि उसका मानना है कि टाइटैनिक-बाउंड सबमर्सिबल के पांचों यात्रियों की दुखद मौत हो गई है। इन यात्रियों में अरबपति एक्सलोरर हामिश हार्डिंग, फ्रांसीसी एक्सप्लोरर पॉल-हेनरी नार्जियोलेट, एक प्रमुख पाकिस्तानी परिवार के सदस्य शहजादा दाऊद और उसका बेटा सुलेमान और ओशनगेट एक्सपीडिशन के सीईओ और टाइटन पायलट स्टॉकटन रश शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार सुबह उत्तरी अटलांटिक में टाइटैनिक के मलबे की ओर गोता लगाने के दौरान पनडुब्बी पूर्वी कनाडा में न्यूफाउंडलैंड के तट से 600 किलोमीटर से अधिक दूर लापता हो गई। अमेरिकी तटरक्षकों के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय खोज की टीम लापता पनडुब्बी का पता लगाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। अनुमान लगाया गया था कि पनडुब्बी में 96 घंटे का ऑक्सीजन है, जिसके गुरुवार की सुबह तक खत्म होने की उम्मीद थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस क्षेत्र में सबमर्सिबल गायब हुई थी, वहां मंगलवार और बुधवार को पानी के भीतर सोनार उपकरणों ने धमाके की आवाजें सुनीं। माउगर ने कहा कि शोर और समुद्र तल पर सबमर्सिबल के स्थान के बीच कोई संबंध प्रतीत नहीं होता है।

पनडुब्बी के पायलट और चालक दल के चार सदस्यों की मौत की आशंका

बोस्टन । टाइटैनिक का मलबा खोजने के लिए गई एक पनडुब्बी के पायलट और चालक दल के चार सदस्यों की मौत होने की आशंका जाहिर की जा रही है। अभियान कंपनी ने इसकी जानकारी दी। ओशनगेट एक्सपीडिशन नामक कंपनी ने कहा कि पनडुब्बी के पायलट और मुख्य कार्यकारी स्टॉकटन रश, यात्री शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान दाऊद, हामिश हार्डिंग और पॉल-हेनरी नार्जियोलेट दुखद रूप से लापता हो गए हैं। टाइटैनिक का मलबा देखने के लिए यात्रा पर रवाना हुई पनडुब्बी के लापता होने के बाद उसमें ऑक्सीजन उपलब्धता की 96 घंटे की महत्वपूर्ण समय सीमा गुरुवार को पार हो गई। 'टाइटन' नाम की इस पनडुब्बी में पांच लोग सवार थे। उत्तर अटलांटिक में अपनी यात्रा पर पनडुब्बी के रवाना होते समय चालक दल के पास केवल चार दिन के लिए ही ऑक्सीजन थी। विशेषज्ञों ने कहा है कि यह एक अनुमान है और यदि पनडुब्बी में सवार लोग ऑक्सीजन संरक्षित करने के उपाय करते हैं, तब यह समय सीमा बढ़ सकती है। और यह भी मालूम नहीं है कि रविवार सुबह पनडुब्बी के लापता हो जाने के बाद से वे जीवित भी हैं, या नहीं।

भारत को हथियारों की बिक्री में तेजी लाने से जुड़ा विधेयक अमेरिकी संसद में पेश

न्यूयार्क । अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में भारत को हथियारों की बिक्री में तेजी लाने के लिए एक विधेयक पेश किया गया और सांसदों के एक समूह ने कहा कि अन्य देशों के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत करने से उनके साझा सुरक्षा हितों की रक्षा होगी। यह विधेयक उस समय में पेश हुआ है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की अपनी पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा पर हैं। प्रतिनिधि सभा और सीनेट में पेश किए गए इस विधेयक में शस्त्र निर्यात नियंत्रण अधिनियम के तहत अन्य देशों को सैन्य साजोसामान की बिक्री और निर्यात संबंधी समीक्षा एवं बिक्री प्रक्रिया में तेजी लाकर भारत को अमेरिका के अन्य साझेदार तथा सहयोगी देशों के बराबर लाने का प्रावधान किया गया है। प्रतिनिधि सभा में विधेयक सांसद माइक वाल्ट्ज, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, एंडी बार और मार्क वीसे ने, जबकि सीनेट में विधेयक को मार्क वार्नर तथा जॉन कोर्निन ने पेश किया। वॉल्ट्ज ने कहा, ''अमेरिका और भारत हमारे साझा राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े हुए हैं, इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम आज के खतरों से निपटने के लिए अपनी वैश्विक साझेदारी को मजबूत करते रहें। एंडी बार ने कहा, ''अमेरिका और भारत एक साथ मिलकर सहयोग करते रहने वाले हैं। दोनों देश हमारे साझा राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की सुरक्षा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने वाले हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना न केवल दोनों देशों, बल्कि दुनियाभर के अन्य लोकतंत्रों की समृद्धि और सुरक्षा के लिए भी बेहद अहम है।

सीट को लेकर फ्लाइट में हुई हाथापाई

-झगड़े के बाद जहाज से कूदने चल पड़ा यात्री

न्यूयॉर्क । अमेरिका के टेक्सास में फ्लाइट में ऐसी हाथापाई हुई कि यात्री फ्लाइट से कूदने की फिराक में नजर आया। मामला टेक्सास में यूनाइटेड एयरलाइन्स की एक फ्लाइट का है। फ्लाइट में यात्रियों के बीच मचे घमासान की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। वीडियो हैरान कर देने वाला है। दरअसल एक यात्री ने पत्नी की सीट को लेकर हुए बवाल के बाद फ्लाइट अटेंडेंट पर घूंसे बरसा दिए। जिसके बाद अफरा तफरी का माहौल बन गया। जब तक लोग यात्रियों को समझाने की कोशिश करते वो इमरजेंसी गेट खोल फ्लाइट से कूदने लगा। ये वीडियो यूट्यूब पर शेयर किया गया है। वीडियो के मुताबिक, कोडी बेंजामिन लोविंस नाम के यात्री ने फ्लाइट अटेंडेंट के साथ मारपीट की और उसे जोरदार मुक्का जड़ दिया। और जब लोगों ने उसे समझाने की कोशिश की। तो तेज़ी से भागते हुए इमरजेंसी एग्जिट गेट की ओर चला गया और फिर दरवाजे को खोल उसमें से कूदने की कोशिश करने लगा। मामला कब बढ़ा जब आरोपी यात्री की पत्नी को उसके निर्धारित सीट से किसी और सीट पर जाने के लिए कह दिया गया गया। बस इसी बात से वो इस कदर बौखलाया कि मामला जानलेवा हरकत तक पहुँच गई। जिस वक्त फ्लाइट में ये सारा बवाल हो रहा था, वहाँ मौजूद एक और यात्री ने इस घटना को कैमरे में कैद कर लिया। सीट बदलने की बात पर जब लोविंस भड़के तो फ्लाइट अटेंडेंट ने बीच बचाव की कोशिश की। इसी बात से बौखलाए यात्री ने उस अटेंडेंट को मुक्का जड़ दिया और भागकर एग्जिट गेट भी खोल दिया। हालांकि बड़ी मशक्कत के बाद यात्री को एग्जिट गेट के पास से सुरक्षित वापस खींचा गया। वरना बड़ी घटना सामने आ सकती थी। मामला सामने आने के बाद यूनाइटेड एयरलाइन्स ने भी अपना पक्ष रखा और इसे नाकाबिले बर्दाश्त कहा है साथ ही लुइस नाम के यात्री को ताउम्र अपनी एयरलाइन्स के लिए बैन कर दिया है। बता दें कि फ्लाइट में आए दिन हो रही अजीब घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। कभी मारपीट कभी हाथापाई कभी दूसरे यात्री पर पेशाब, तो कभी किसी यात्री या फ्लाइट अटेंडेंट संग छेड़खानी जैसी घटनाएं भी हो रही हैं। कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि फ्लाइट अटेंडेंट की मजबूरी का फायदा उठाकर यात्री उनके साथ बदसलूकी पर उतारू हो जाते हैं।

ओजोन परत के बगैर पृथ्वी 3.5 केल्विन ठंडी होती

-नए अध्ययन में दर्शाया गया ओजोन परत के महत्व को

वाशिंगटन । तमाम चेतावनियों के बावजूद हम आज ग्लोबल वार्मिंग को काबू करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों को लागू करने में संघर्ष कर रहे हैं। नए अध्ययन में दर्शाया गया है कि ओजन परत हमारी पृथ्वी की सतह के तापमान के लिए कितनी अहम है। इसके नतीजों में से एक यह भी है कि अगर ओजोन परत नहीं होती तो हमारी पृथ्वी 3.5 केल्विन ठंडी होती। ओजोन परत के बारे में अधिकांश यही बताया जाता है कि सूर्य से आने वाला कुछ विकिरण ऊपरी वायुमंडल से टकराकर वापस चला जाता है और बचे हुए में से कुछ वायुमडंल तो कुछ धरती अवशोषित कर लेती है जबकि बाकी पृथ्वी की सतह से टकराकर लौट जाता है। लौटने वाले विकिरण से अधिकांश वापस अंतरिक्ष में जाता है तो उसमें से कुछ वायुमंडल अवशोषित कर ग्रीनहाउस प्रभाव देता है। लेकिन वास्तव में हमारे तापमान और जलवायु वायुमंडल के बहुत से अणुओं की प्रचुरता से लेकर महासारों और वायुमंडलीय संचारण तंत्रों पर निर्भर करते हैं। अधिकांश जलवायु प्रतिमानों ने पृथ्वी की जलवायु में ओजोन परत की भूमिका को नजरअंदाज किया है। लेकिन इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ओजोन परत के व्यापक प्रभाव का अध्ययन किया है। पृथ्वी पर ओजोन परत हमेशा नहीं थी। जीवन से पहले ओजन का वायुमंडल में अस्तित्व ही नहीं था। पृथ्वी का अरबों साल का समय बिना या बहुत ही पतली ओजोन परत के साथ गुजरा है।

एडीलेड में एक करुना लीडर अंकल मोगी पारंपरिक स्मोकिंग समारोह में भाग लेते हुए।

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, मेरी पीएम मोदी से बात होती तब मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर बात करता

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त प्रेस बयान से कुछ ही घंटे पहले, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत के दौरान बाइडेन को मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे का उल्लेख करना चाहिए। ओबामा ने कहा कि अगर उनकी मोदी से बातचीत होगी तब वह भारत में जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा करुंगा और अगर उनके अधिकारों की रक्षा नहीं की गई तब क्या होगा? उन्होंने कहा, अगर मेरी श्री मोदी से बातचीत होती, जिन्हें मैं अच्छी तरह से जानता हूं, तब मेरे तर्क का एक हिस्सा यह जरुर होगा कि यदि आप भारत में जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करते हैं, तब इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत किसी बिंदु पर अलग होना शुरू कर देगा। इस बीच संयुक्त प्रेसवार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में भेदभाव के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है। पीएम मोदी का यह बयान मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में आया। भारत में जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों के बारे में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, जाति, पंथ या धर्म के आधार पर भेदभाव के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है।

वॉशिंगटन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- हमारे डीएनए में है लोकतंत्र

- भारत में किसी भी तरह के भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार्मिक अल्पसंख्यकों और असहमति से निपटने के लिए अपनी सरकार की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा, लोकतंत्र हमारे डीएनए में है, लोकतंत्र हमारी आत्मा है, लोकतंत्र हमारी रगों में दौड़ता है और लोकतंत्र हमारे डीएनए में है। भारत में किसी भी तरह के भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं। मोदी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ व्हाइट हाउस में एक पत्रकार के सवाल का जवाब दे रहे थे। उन दोनों ने एक अमेरिकी और एक भारतीय रिपोर्टर से सवाल पूछे। भारत और अमेरिका दोनों के लिए प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र हमारे डीएनए में है, लोकतंत्र हमारी आत्मा है, लोकतंत्र हमारी रगों में बहता है। मोदी पहले ब्रीफिंग में राष्ट्रपति बाइडेन की टिप्पणियों से सीख रहे थे कि लोकतंत्र अमेरिका और भारत दोनों के डीएनए में है। उन्होंने आगे कहा कि हम एक लोकतंत्र में रहते हैं और हमारे पूर्वजों ने वास्तव में इस अवधारणा को शब्द दिए हैं और वह हमारे संविधान के रूप में है। पूरा देश उसी पर चलता है। हमने हमेशा साबित किया है कि लोकतंत्र परिणाम दे सकता है और जब मैं कहो पहुंचाओ, यह जाति, लालच, धर्म, लिंग की परवाह किए बिना है।

भेदभाव के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है।

मोदी ने कहा कि जब हम लोकतंत्र में रहते हैं, तो भेदभाव के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं होती है और यही कारण है कि भारत सबके साथ, विश्वास के साथ और सबके प्रयासों से आगे बढ़ने में विश्वास करता है। ये हमारी नींव हैं, सिद्धांत हैं, जो आधार हैं। जब राष्ट्रपति बाइडेन से भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने और असहमति पर कार्रवाई को नजरअंदाज करने के लिए उनके प्रशासन की आलोचना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने खुद को बचाव की मुद्रा में पाया। बाइडेन ने कहा कि उन्होंने और प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में अच्छी चर्चा की, यह हमारे रिश्ते की प्रकृति है। हम एक-दूसरे के साथ सीधे हैं और हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। दोनों नेताओं के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई, पहले एक छोटी द्विपक्षीय बैठक और फिर एक विस्तारित बैठक हुई। उनके साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव विनय क्वात्रा, अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन शामिल हुए।

30 साल पहले अमेरिका आया था तब व्हाइट हाउस को बाहर से देखा था: पीएम मोदी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्हाइट हाउस के बाहर भारतीय-अमेरिकन लोगों को संबोधित कर कहा कि मैं 30 साल पहले अमेरिका आया था, तब मैंने व्हाइट हाउस को बाहर से देखा था। लेकिन आज यहां के भारतीयों के लिए व्हाइट हाउस को खोल दिया गया है। इसके लिए पीएम ने राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन के साथ अपने संबोधन में कहा, हम दोनों देश अपनी विविधता पर गर्व करते हैं, हम दोनों ही सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के मूल सिद्धांत में विश्वास करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक स्वागत का गवाह बनने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय बूंदाबांदी के बीच व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में जमा थे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका के समाज और व्यवस्थाएं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं और दोनों देशों का संविधान तीन शब्द ''वी द पीपल से प्रारंभ होता है जिसकी चर्चा राष्ट्रपति बाइडन ने की है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय समुदाय के लोग अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के जरिये अमेरिका में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, आज वहाइट हाउस में शानदार स्वागत सम्मान एक प्रकार से 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह अमेरिका में रहने वाले करीब 40 लाख भारतीय मूल के लोगों का भी सम्मान है। इसके लिए मैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन का आभार प्रकट करता हूं।

अपने पूर्व कर्मचारियों का बोनस डकार गए एलन मस्क

वाशिंगटन (एजेंसी)। एलन मस्क ने जब से ट्विटर का अधिग्रहण किया है, तब से ही कर्मचारियों के साथ उनका 'पंगा जारी है। ट्विटर की कमान संभालने के बाद करीब 75 फीसदी कर्मचारियों को निकाल चुके मस्क, कर्मचारियों का बोनस भी डकार गए हैं। ट्विटर का एक परफॉर्मेंस बोनस प्लान है जिसका भुगतान वार्षिक तौर पर किया जाता है। लेकिन, अब कंपनी ने इसका भुगतान करने से इंकार कर दिया है। कंपनी की वादाखिलाफी के खिलाफ कुछ कर्मचारी कोर्ट पहुंच गए हैं।

सैन फ्रांसिस्को के फेडरल कोर्ट में दायर मुकदमे में बताया गया है कि पिछले वर्ष अक्टूबर में कंपनी को मस्क के टेकओवर करने से पहले इसके पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर, नेड सेगल सहित एग्जिक्यूटिव्स ने कहा था कि बोनस का भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि ट्विटर ने मौजूदा वर्ष की पहली तिमाही में टारगेट वाली रकम के 50 प्रतिशत का भुगतान करने के वादे के बावजूद पिछले वर्ष के बोनस देने से मना कर दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्विटर की 'कैश परफॉरमेंस बोनस प्लान' का भुगतान सालाना आधार पर होता है। कि ट्विटर ने 2023 की पहली तिमाही में कंपनी में कार्यरत रहे कर्मचारियों को कोई भी बोनस देने से इनकार कर दिया है। ऐसा तब किया गया है जब कर्मचारियों ने बोनस के लिए अनिवार्य सभी शर्तों को पूरा किया है। अपना हक लेने को अब कर्मचारियों ने कोर्ट का रुख किया है। कंपनी के मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों की ओर से यह मुकदमा ट्विटर के कंपनसेशन के सीनियर डायरेक्टर, मार्क शोबिंगर ने दायर किया है। शोबिंगर पिछले माह के अंत तक ट्विटर की कंपनसेशन में ही थे।

कोर्ट में दायर याचिका के मुताबिक, सोशल मीडिया कंपनी ने अपने बोनस प्लान के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरे साल फंडेड किया जाता है और सालाना लक्ष्य का कम से कम 50 फीसदी भुगतान किया जाता है।

गोटबाया राजपक्षे ने सामूहिक कब्र की जांच रोकने के लिए पुलिस रिकॉर्ड नष्ट करने का आदेश दिया: रिपोर्ट

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे पर आरोप है कि उन्होंने एक इलाके में मिली सामूहिक कब्र की जांच को प्रभावित करने के लिए पुलिस रिकॉर्ड नष्ट करने का आदेश दिया था। यह सामूहिक कब्र उस जगह मिली था जहां 1989 में हिंसक मार्क्सवादी विद्रोह के चरम पर रहने के दौरान वह एक सैन्य अधिकारी के तौर पर नियुक्त थे। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति पर ये आरोप लगाए गए हैं। इंटरनेशनल ट्रूथ एंड जस्टिस प्रोजेक्ट, जर्नलिस्ट्स फॉर डेमोक्रेसी इन श्रीलंका और फैमिलीज ऑफ द डिसएपियर्ड सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं के संगठनों द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले तीन दशक में इन सामूहिक कब्रों की खुदाई के बाद सैकड़ों अवशेष निकाले गए हैं

लेकिन पीड़ितों की पहचान और उनके अवशेषों को उनके रिश्तेदारों को पहुंचाने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन अज्ञात सामूहिक कब्र में अब भी हजारों शव दफन हो सकते हैं जिनका पता नहीं चला है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई सरकारों द्वारा स्थापित कई जांच आयोगों में से किसी को भी सामूहिक कब्र की जांच करने का आदेश नहीं दिया गया। इसके बजाय, सच्चाई को उजागर करने के प्रयासों को अवरुद्ध किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, जब सामूहिक कब्र की खोज की गई और जांच शुरू हुई, तो न्यायाधीशों और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को अचानक स्थानांतरित कर दिया गया, परिवारों के वकीलों को उन स्थानों तक पहुंच से वंचित कर दिया गया, जीवित गवाहों को खोजने का कोई प्रयास नहीं किया गया, कोई पोस्टमार्टम आंकड़ा एकत्र नहीं किया गया और बहुत ही दुर्लभ मामलों में जहां किसी को दोषी ठहराया गया, बाद में उसे माफ कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सामूहिक कब्र खोदने में राजपक्षे की कथित भूमिका राजनीतिक हस्तक्षेप का एक उदाहरण थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजपक्षे उस समय एक शक्तिशाली रक्षा अधिकारी थे। आरोप हैं कि उन्होंने 2013 में मध्य श्रीलंका के मटाले जिले में सामूहिक कब्र की खोज के बाद क्षेत्र के पुलिस थानों में पांच साल से अधिक पुराने सभी पुलिस रिकॉर्ड को नष्ट करने का आदेश दिया था।

एक लीटर पानी की बोतल की कीमत 1.15 लाख रुपये

टोक्यो । जापान की मिनरल वाटर ब्रांड फिलिको जूलरी कंपनी के एक लीटर पानी की बोतल की कीमत 1.15 लाख रुपये है। आखिर इस मिनरल वाटर में ऐसा किया है जो इसकी कीमत 1 लाख रुपये से भी ज्यादा है? दरअसल, इस पानी की खासियत ही इसे इतना महंगा बनाती है। जानकारी के मुताबिक, फिलिको जूलरी इस पानी को जापान के ओसाका के पास रोक्को माउंटेन के झरनों से लाती है। कहा जाता है कि पहाड़ियों के तलहटी पर मिलने वाले इस पानी में ऑक्सीजन का लेवल बहुत ज्यादा होता है। कंपनी इस पानी को ग्रेनाइट फिल्ट्रेशन प्रोसेस के फ़िल्टर करती है जिसमें पानी से हर तरह की अशुद्धता को प्राकृतिक तरीके से निकाल दिया जाता है। इस पानी की 750द्वद्य की एक बोतल की कीमत तकरीबन 1.15 लाख रुपये है। सिर्फ इतना ही नहीं, इसका बोतल भी अपने आप में बहुत खास है। फिलिको अपने बोतल की डिजाइनिंग के लिए भी मशहूर है। कंपनी पानी की बोतलों को कई तरह के हीरे और जेवरात से सजाती है। बोतल के ढक्कन में हीरे जड़े होते हैं और सोने की पतली परत भी होती है। मालूम हो कि महंगी गाड़ियों और आलिशान घरों की तरह अब पानी को भी लग्जरी आइटम बना दिया गया है।

पहले ही अपनी कई समस्याएं हैं...अमेरिका-चीन के बीच नहीं पड़ना चाहता पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि उनका देश अमेरिका और चीन के बीच चल रही प्रतिद्वंद्विता में किसी का पक्ष लेने के लिए मजबूर नहीं होना चाहता, उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद की अपनी कई समस्याएं हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अब दुनिया की दो सबसे बड़ी महाशक्तियों के बीच एक पक्ष चुनने की भूख नहीं है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस्लामाबाद अपने संबंधों को महत्व देता है और दोनों देशों के साथ तटस्थ संतुलन बनाए रखना चाहता है।

खार का साक्षात्कार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा कैलिफोर्निया में एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग को तानाशाह कहने से पहले रिकॉर्ड किया गया था। बीजिंग ने टिप्पणी पर आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बुनियादी तथ्यों का गंभीर विरोधाभास है, राजनयिक शिष्टाचार का गंभीर उल्लंघन है और चीन की राजनीतिक गरिमा का गंभीर उल्लंघन है।

पाकिस्तान परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण स्थिति रखता है क्योंकि उसके चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं जबकि वह अमेरिका के साथ भी संबंध बनाए रखता है। विश्लेषकों ने अपनी चिंता व्यक्त की है और चेतावनी दी है कि बिडेन की टिप्पणी और बीजिंग की प्रतिक्रिया से पाकिस्तान के लिए अमेरिका और चीन दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना और भी कठिन हो जाएगा। खार ने आगे इस बात पर जोर दिया कि इस्लामाबाद अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा नहीं हो सकता क्योंकि दुनिया को दो गुटों में बांटना इस्लामाबाद के लिए खतरा है।

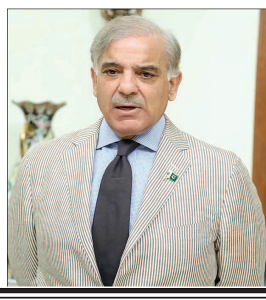

संपादकीय

क्या है ऊँचा, क्या है पूरा

एक घटना प्रसंग किसी एक व्यक्ति ने दूसरे से पूछा कि क्या हैं ऊँचा व क्या है पुरा । दूसरे व्यक्ति ने कहा कि धन हैं ऊँचा और पुरा तोप्रथम ने कहा संस्कार । दूसरे ने कहा संस्कार की बाते बोलने में अच्छी लगती है अगर पैसे है संस्कार नहीं तो सब अच्छा है पैसे हो ।प्रथम में कहा आगे पैसे जाते है तो दूसरे ने कहा यहाँ तो मौज कर ले आगे का आगे देखेंगे । यह आज के समय का चलन हो गया है ।मकान बड़े बन रहे है लेकिन परिवार सीमित हो रहे हैं । पढ़ाई उच्च से उच्च हो रही है लेकिन विनम्रता घट रही है । दवाईयो काआविष्कार हो रहा है लेकिन बीमारियाँ बढ़ रही हैं । संस्कार से पूरी दुनिया जीत सकते हो और अहंकार से जीता हुआ भी हार जाते है ।राजनीति आज सामाजिक, आध्यात्मिक, आदि हर क्षेत्र में पसरी है एक दूसरे पर ईर्षा , निन्दा , नीचे दिखाने आदि से कीचड़ उछालना भीजैसे आम बात हो गयी हैं ।

इतना हम तो जाने की यहाँ क्या लेकर हम आये थे और क्या हम लेकर जाएंगे ।मुट्ठी बांध के आये थे और हाथ पसारे जाएंगे । यह दोदिन की जिंदगानी है । दो दिन का मेला । इतना तो सोचे हम कि कौन पूरी तरह काबिल है, कौन पूरी तरह पूरा । हर एक शख्स कही नकही किसी तरह थोड़ा अधूरा हैं । हमे हर चीज साफ-साफ चाहिए चाहे वह हवा हो, पानी हो, रास्ता हो, प्रेम हो , माहौल हो आदि - आदि मगर अफसर हम चूक जाते है करने में अपने मन को साफ,,जहां गुमान अपने पैर जमा कर बैठा हुआ है । इंसान गुमान न करक्योंकि तख्ता कभी भी पलट सकता है बाजी कभी भी जीत की हार में बदल सकती है ।महाभारत में भी शाम को युद्ध खत्म होने के बादसब एक हो जाते थे ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

कांग्रेस की मुश्किलें

(लेखक - प्रेमकुमार मणि)

हमें स्थिर होकर 1977 की स्थितियों का विश्लेषण करना चाहिए। इंदिरा कांग्रेस के पराजित होने का आधार प्रतिनिधि विपक्षी दलों जनसंघ, भारतीय क्रांति दल, संघटन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का एक पार्टी हो जाना था, एकजुट होना नहीं। ऊपर से चुनाव के पूर्व एक धमाका हुआ कि कांग्रेस के दलित नेता जगजीवन राम इनसे आ मिले और राजनीतिक कैटेलिस्ट की भूमिका निभाई। लेकिन इन से ऊपर एक चीज थी जिस पर कम ही ध्यान दिया जाता है। वह था जयप्रकाश नारायण का अनासक्त जादुई नेतृत्व। इस नेतृत्व ने जनता पार्टी को एक ऐसी नैतिक ऊर्जा दी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। जेपी को स्वयं सत्ता नहीं सम्भालनी है।

लोकसभा चुनाव का समय जैसे -जैसे नजदीक आता जा रहा है भाजपा विरोधी राजनीतिक कैंप में एक बेचैनी बढ़ती जा रही है। वे इकट्ठा होने और भाजपा के खिलाफ एक उम्मीदवार देने की रणनीति बना रहे हैं। इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन इस पर इत्मीनान भी नहीं किया जा सकता। आशावादी होना, कर्मण्य होना अच्छी बात है, लेकिन मुल्क की जो राजनीतिक स्थिति है उसमें विपक्ष की यह तैयारी बहुत सक्षम नहीं प्रतीत होती। 1971 के लोकसभा चुनाव की याद जिनलोगों को होगी, वे यह समझ सकते हैं कि विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार वाली रणनीति प्रायः विफल होती रही है। चुनाव जोड़-घटाव की रणनीति से अधिक वैचारिकता और भावनाओं पर होते हैं। 1971 में ग्रैंड-अलायंस (महागठबंधन) बना था। इसका कोई फायदा विपक्ष को नहीं मिला था। इसीलिए 1977 में जेपी ने संयुक्त अभियान और एकल उम्मीदवार के प्रस्ताव को ख़ारिज कर दिया था। उन्होंने प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दलों को एक होने की हिदायत दी और इसी शर्त पर चुनाव में सक्रिय होना स्वीकार किया कि सब मिल कर एक दल का रूप लेंगे। समय बस पखवारे भर का था, लेकिन यह सम्भव हुआ। जनता पार्टी बनी और चुनाव परिणाम आये तब कांग्रेस ध्वस्त हो गई। यहाँ तक कि इंदिरा गांधी स्वयं पराजित हो गईं।

हमें स्थिर होकर 1977 की स्थितियों का विश्लेषण करना चाहिए। इंदिरा कांग्रेस के पराजित होने का आधार प्रतिनधि विपक्षी दलों जनसंघ, भारतीय क्रांति दल, संघटन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का एक पार्टी हो जाना था, एकजुट होना नहीं। ऊपर से चुनाव के पूर्व एक धमाका हुआ कि कांग्रेस के दलित नेता जगजीवन राम इनसे आ मिले और राजनीतिक कैटेलिस्ट की भूमिका निभाई। लेकिन इन से ऊपर एक चीज थी जिस पर कम ही ध्यान दिया जाता है। वह था जयप्रकाश नारायण का अनासक्त जादुई नेतृत्व। इस नेतृत्व ने जनता पार्टी को एक ऐसी नैतिक ऊर्जा दी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। जेपी को स्वयं सत्ता नहीं सम्भालनी है। यह बात स्पष्ट थी। वह एक ऐसे नायक बन गए जिसने विपक्ष को एक नैतिक बल दिया और जनता में यह भाव आया कि जेपी उसके समर्थन के जमानतदार बन रहे हैं। 1989 में भी एक करिश्मा हुआ जब चार सौ से अधिक सीटें जीतने वाले राजीव गांधी के नेतृत्व में ही कांग्रेस बुरी तरह पराजित हो गई। इस दफा जेपी नहीं वीपी थे, जिनके पास आसक्ति थी, लेकिन इसके साथ उनके पास एक मोहक नैतिक सत्ता थी। इससे विपक्ष को एकजुट करने में उन्हें मदद मिली। आज विपक्षी एकता की जो कवायद हो रही है उसमें ऐसा कुछ है क्या? यदि नहीं है तब 23 जून को होने वाली बैठक का क्या नतीजा निकलेगा? मैं नहीं समझता हूँ इस बैठक का कोई परिणाम निकलने जा रहा है। अखबारी खबरों के अनुसार कांग्रेस ने भी इसमें भाग लेने की सहमति दी है। चूँकि भाजपा विरोध की वह केंद्रीय शक्ति है इसलिए उसकी यह भी जिम्मेदारी है कि वह ऐसी तमाम सक्रियताओं पर नजर रखे। भाग लेकर उसे इन अभियानों की वास्तविकता से परिचित होना ही चाहिए। किन्तु कांग्रेस यदि इन पर कुछ भरोसा करती है तो वह मुगालते में है।

हमें 1977 और 1980 के बीच की राजनीतिक घटनाओं का स्मरण करना चाहिए। 1977 में जनता पार्टी प्रयोग को विफल करने में चरण सिंह की केंद्रीय भूमिका थी। मुट्ठी भर सांसदों के बूते वह उसी कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाने की राह पर निकल पड़े थे जिससे पिछले कई साल से लड़ रहे थे। हास्यास्पद तो या था कि उस इंदिरा गांधी के बूते उन्होंने सरकार बनाई जिन्हे कुछ ही महीने पूर्व अपमानित करने के ख्याल से गिरफ्तार करवाया था। नतीजा क्या निकला सब जानते हैं। ढाई साल में ही जनता पार्टी बिखर गई और जनवरी 1980 में इंदिरा गांधी दो तिहाई बहुमत के साथ चुन कर संसद आ गईं।

1980 का दृष्टान्त मैंने इसलिए दिया कि कांग्रेस को उससे सबक लेनी चाहिए। मेरी राय में उसके लिए एकला चलो की राह पर चलना अधिक अच्छा होगा वनिस्पत इसके कि वह जातिवादी -साम्प्रदायिक और अनैतिक दिखने वाले दलों से उल्टा-पुल्टा गठजोड़ करे। भाजपा विरोध का मतलब एक ऐसी वैचारिकता होनी चाहिए, जो कुछ विशिष्ट दिखती हो। कांग्रेस के पास गाँधी नेहरू की सुसंगत विचारधारा है, जिस पर आज भी करोड़ों भारतवासी यकीन करते हैं। भारत जोड़ो अभियान में यदि सचमुच कांग्रेस ने मुल्क की धड़कन समझने का कोई प्रयास किया है तो उसे यह अभिज्ञान अवश्य हुआ होगा कि मुल्क की अनपढ़ -गंवार कही जाने वाली जनता गला फाड़कर चिल्लाने वाले नेताओं से अधिक राजनीतिक समझ रखती है। उसे अपने मुल्क की परम्पराओं का अधिक अहसास है। उसे यह बात मालूम है कि मुल्क पर सेठ -ज़मींदारों की संततियां हावी हो गई हैं और वे स्वार्थ में गहरे डूबी हैं। कांग्रेस को इस तथ्य पर भी ध्यान देना चाहिए कि पिछले नौ साल में केवल दो मौकों पर भाजपा पराजित हुई है। पहला कृषि पर कानून वाले मामले में और दूसरा महिला पहलवानों के मामले में। इनकी लड़ाई विपक्ष ने नहीं, किसानों ने लड़ी। कांग्रेस को अपने आधार वोट किसान-मजदूर, दलित और हासिये पर पड़े लोगों की चिंता करनी चाहिए। अठारह अक्षौहिणी सेना की तरह तथाकथित अठारह विपक्षी दलों की यह बैठक भाजपा को कोई चुनौती देगी इस पर मुझे संदेह है। संदेह का आधार यह है कि हिंदी पट्टी की लोकदली राजनीतिक ताकतें इस बैठक में केंद्रीय भूमिका में हैं। समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और जनतादल यूनाइटेड जैसी पार्टियों का दलित विरोध सामने है। उत्तरप्रदेश में अखिलेश और बिहार में लालू-नीतीश अपने दलित विरोध केलिए कुख्यात हैं। मैंने पहले भी कई दफा कहा है कि भारत में दलित -आदिवासी ताकतें ही सक्षम ढंग से हिंदुत्व के राजनीतिक फलसफे का विरोध कर रही हैं। विपक्ष की बैठक पटना में हो रही है। नीतीश कुमार ने बैठक के ठीक पहले जीतनराम मांझी को जिस तरह अपमानित किया है उसका कोई सन्देश तो दलित मनोविज्ञान ने ग्रहण किया ही है। आनंदमोहन प्रकरण में नीतीश का चेहरा पूरे देश में दलित विरोधी पहले ही हो चुका है। ऐसे में जब कांग्रेस स्वाभाविक तौर पर भाजपा विरोध की राजनीति का केंद्र बनने लगा है, कांग्रेस को लोकदली ताकतों का साथ उसे नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी जगह उसे नई उभरती शक्तियों और नई पीढ़ी केलिए कांग्रेस के दरवाजे खोलने चाहिए। कांग्रेस में दशकों से जमे घाघ नेताओं को संगठन और दूसरे रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। अर्थात उसे बाहर-भीतर दोनों से बदलना चाहिए। उसे दूसरों की राह पर चलने की बजाय अपने रास्ते पर दूसरों को लाना चाहिए। नीतीश कुमार की पार्टी का हवाला देते हुए उसे अधिक से अधिक दलों को कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव देना चाहिए। समाजवादी पार्टी, राजद, जदयू, तृणमूल, राष्ट्रवादी कांग्रेस आदि राजनीतिक संगठनों की अलग - अलग दुकान (शब्द मेरा नहीं ,नीतीश कुमार की पार्टी के अधिकृत नेता का है) चलने का समय यह सचमुच नहीं है। 23 की बैठक में इस विलय पर ही कोई बात हो तो अधिक अर्थपूर्ण होगा। इससे मुल्क की राजनीति में जान आ सकती है। इसके लिए सभी पक्षों को थोड़ा उदार बनना होगा। परिवारवाद और आंतरिक डेमोक्रेसी के अभाव से बुरी तरह ग्रस्त प्रतिपक्ष में लोकतान्त्रिक स्थितियां बहाल होते ही वह उठ खड़ी होगी और बड़ी से बड़ी मुश्किलों से निबट लेगी। कांग्रेस और दूसरे प्रतिपक्ष को अपनी वैचारिकता और बोली बानी पर भी नियन्त्रण रखना होगा। भाजपा और संघ का विरोध करते हुए ये लोग प्रायः हिन्दू विरोधी स्वर अलापने लगते हैं। विद्वान किस्म के लोग अपनी पूरी ऊर्जा सावरकर विरोध में लगा रहे हैं। सेकुलरवाद का मतलब इस्लाम या ईसाइयत के दकियानूसी पक्ष का समर्थन करना नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक लोकतांत्रिक चेतना का विकास करना है। भारतीयता का विकास करना है। मज़हब व्यक्तिगत मामले से उठ कर जैसे ही राजनीति में सक्रिय होता है गड़बड़ियां शुरू होती हैं। ये गलती यदि भाजपा के लोग कर रहे हैं तो उनके विरोधी भी कम नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस को इस पर नजर रखनी चाहिए। कुछ मामलों को वह बुद्ध की तरह अव्याकृत घोषित करे। राजनेताओं को अपने लोकतांत्रिक मिजाज को निरन्तर बुद्धि विवेकवाद के पार्श्व में रखना चाहिए।

आसुरी लक्षण है कृतघ्नता

- डॉ. दीपक आचार्य

जीवन में हमेशा मस्त रहने के लिए दो बातों का होना सर्वाधिक जरूरी है। जीवन व्यवहार को सुन्दर बनाने के लिए कृतघ्नता का परित्याग करें और कृतज्ञता अभिव्यक्त करना अपनी आदत में ढाल लें।

इन दो बातों को अपनाने मात्र से व्यक्तित्व में ताजगी भरी वह गंध आ जाती है कि हर कोई अपना होने को चाहता है। हर व्यक्ति को इन मानवीय गुणों का अवलंबन करना चाहिए मगर कोई-कोई ही होते हैं जो यह कर पाते हैं। कृतज्ञता दैवीय गुण है और कृतघ्नता आसुरी। इसी से किसी भी व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन चरित्र को परिभाषित किया जा सकता है।

हम यदि अपने भीतर के मनुष्यत्व को थोड़ा जागृत कर लें और संसार में आने तथा रहने के उद्देश्यों और लक्ष्य को जान लें तो ये ही नहीं बल्कि अन्य तमाम गुणों को आत्मसात कर सकते हैं। पर अपनी अधिनायकवादी वृत्तियाँ और विभिन्न रूपों में व्याप्त अहंकार इसमें सबसे बड़ी बाधा है जो किसी भी व्यक्ति को सरल और सहज होने नहीं देते।

कृतघ्नता आसुरी वृत्ति का द्योतक है जबकि कृतज्ञता और उदारता दैवीय गुणों का परिचायक है। जिन लोगों का मन मलीन होता है, दिमाग खुराफाती होता है, उनमें कृतघ्नता कूट-कूट कर भरी हुई होती है और ऐसे खुदगर्ज व आत्मकेन्द्रित लोग सिर्फ और सिर्फ अपने स्वार्थों की पूर्ति में ही दिन-रात लगे रहते हैं।

इन लोगों के लिए अपने काम और स्वार्थ से बढ़कर दुनिया में कहीं कुछ दिखता ही नहीं। अपने काम के लिए ये लोग किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। किसी भी सीमा तक नीचे गिर सकते हैं। इसी कारण इन्हें उठाईगिरा कहा जाता है जो कि अपने आपको ऊपर उठाने के लिए कितने ही नीचे गिर सकते हैं। कहीं ये अकेले में गिड़गिड़ाने लगते हैं तो कहीं भीड़ में खड़े होकर धौंस जमाने।

इनके लिए अपने काम के वक्त न कोई पराया होता है, न अपना। काम निकलवाने की सारी कलाबाजियों में माहिर ये लोग जिन माध्यमों का सहारा लेते हैं वे भी अपने आप में अजीब ही होते हैं। इनके लिए कोई भी आदमी तभी तक अपना होता है जब तक काम नहीं निकल जाए, इसके बाद उन्हें दूसरे कामों के लिए दूसरे-तीसरे आदमियों की तलाश शुरू हो जाती है। इस प्रवृत्ति के लोगों की तुलना आवाराओं और वैश्याओं से की जा सकती है जिनका कोई धरम नहीं होता। आज ये तो कल वो।

'यूज एण्ड थ्रो' की अवधारणा को कैसे अंजाम दिया जाता है, यह कोई सीखे तो ऐसे ही लोगों से। इस तरह के लोग अपने यहाँ ही हों, ऐसी बात नहीं। ऐसे लोग पूरी दुनिया में पाए जाते हैं। कलिकाल का प्रभाव कहें या कि मानवीय गुणों और संवेदनाओं का ह्रास, इस प्रकार की प्रजातियां आजकल सब तरफ पसरती और छाती जा रही हैं। यह अलग बात है कि अपनी धरा पर जाने क्या अभिशाप है कि इस किस्म के लोगों की खूब भरमार बनी हुई है। हमारे यहाँ कृतघ्न लोगों की जमात हर किसी क्षेत्र में विद्यमान है और दुर्भाग्य से इनकी तूती भी बोलती है। शायद ही कोई इलाका ऐसा बचा हो जहाँ इस किस्म के पिशाच न पाए जाते हों अन्यथा ऐसे पुरुषों और स्त्रियों की कहीं कोई कमी नहीं है जिनके लिए पौरुष और स्त्रैण तत्व से कहीं अधिक क्षुद्र स्वार्थ प्रधान हैं।

इन लोगों की पूरी जिन्दगी का निचोड़ निकाला जाए तो एक बात साफ तौर पर उभर कर सामने आती है कि इन्होंने जो कुछ मुकाम हासिल किया है वह कृतघ्न बने रहकर। आज इसका तो कल किसी और का इस्तेमाल करते हुए ये अपने उपयोग में आने लायक लोगों को बदल-बदल कर लगातार आगे बढ़ते रहे हैं।

ऐसे लोगों का अपना खुद का कोई हुनर हो न हो, ईश्वर ने उन्हें पूर्व जन्मार्जित पुण्य की बदौलत कोई ऐसा भाग्य जरूर दिया होता है कि ये दूसरों के बूते कमा खाने और घर भरने के साथ ही यशेषणा को आकार देने में माहिर हो ही जाते हैं।

वर्तमान दौर के राजनैतिक संसार में ऐसे कृतघ्न लोगों की अनचाही भीड़ लगातार बढ़ती ही जा रही है। जो उन्हें आगे लाता है, प्रोत्साहन और सम्बल देता है उसी के पर काटने लगते हैं और कृतघ्नता का हथियार लेकर भस्मासुर बनकर खुद हावी हो जाते हैं।

इन लोगों को मानवता या मानवीय मूल्यों से कोई सरोकार नहीं होता। इन्हें अपनी चवन्नियां और खोटे सिक्के चलाने, मुफ्त का भोग-विलास पाने और हमेशा अहंकार की परितृप्ति के लिए बड़े कद वाले पदों का मोह चाहिए होता है।

यह कृतघ्नता ही है जो उनके भीतर राक्षसों के तमाम अवगुणों को आकार दे डालती है और फिर ये मदान्ध, मोहान्ध, मुद्रान्ध और कामान्ध पिशाच और पिशिचिनियां जो कुछ करतूत और करामात करने में रमी रहती हैं, इसके बारे में कुछ बताने की आवश्यकता नहीं है, सब जानते हैं। हम सभी का ऐसे असुरों से अक्सर पाला पड़ता रहता है।

भारत अमेरिका संबंधों से भारत की वैश्विक ताकत में इजाफा

(लेखक - सनत जैन)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर है। अमेरिका की यह यात्रा भारत के लिए एक अवसर भी है। आज सारी दुनिया में जिस तरह से आर्थिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। आर्थिक कारणों से नए-नए आर्थिक,सामरिक,एवं राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं। ऐसे समय पर अमेरिका और भारत के बीच गठबंधन से भारत के लिए बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उसमें भारत का फायदा होना तय है। भारत की आबादी 142 करोड़ से ज्यादा की हो गई है। भारत दुनिया का सबसे बड़ी जनसंख्या वाला लोकतांत्रिक देश है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास के मार्ग पर कदमताल करते हुए एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर चल रहा है। भारत की संस्कृति, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भारत के लिए सारी दुनिया के लिए नए अवसर हैं। सभी को इनका स्वागत करना होगा। राजतंत्र के बारे में एक सिद्धांत है,जो जितना ताकतवर होता है,या ताकतवर की छवि होती है। आसपास के देश और उनकी प्रजा ताकतवर राजा की अधीनता स्वीकार कर लेते हैं। अमेरिका और भारत के बीच यदि रिश्ते बेहतर हुये हैं। तो इसका असर भारत के वैश्विक व्यापार के लिए एक बड़े अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। रूस,चीन,अमेरिका एक समय बड़ी महाशक्ति थे। युद्ध की नीति और अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए युद्ध और हथियारों की राजनीति करते हैं। यह पाल्सी पिछले कई दशकों में लड़ लड़ कर सभी कमजोर हो रहे हैं, या हो गए हैं। युद्ध और आपसी झगड़े से परेशान,देशों ने भी अब आर्थिक पक्ष के आधार पर अपने संबंधों को बनाना शुरू कर दिया है। विचारधारा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। धर्म को लेकर भी वह एकजुटता देखने को नहीं मिल रही है,जो कुछ वर्षों पहले तक दिखती थी। अब हर संबंध आर्थिक आधार पर ही तय किए जा रहे हैं। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को जो सहायता इस्लामिक देश होने के लिए दी जा रही थी। अब धर्म के आधार पर सऊदी अरब जैसे देश भी पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देने में पीछे हटने लगे हैं। आर्थिक आधार पर ही दुनिया भर के सभी देश अपने राजनीतिक एवं व्यवसायिक संबंध बनाने के लिए मजबूर हैं। इस बदले हुए परिवेश में भारत के लिए बहुत बड़े-बड़े अवसर हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध ने दुनिया के देशों को एक नया सबक सिखा दिया है। जिसके कारण सारी दुनिया की सोच बड़ी तेजी के साथ बदली है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत सरकार को अपने नियम -कानून मैं स्थायित्व, कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति और सभी धर्मों के प्रति समभाव, प्रतिभाओं का सम्मान,संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता मजबूत करेगी, तो निश्चित रूप से कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया के सभी देशों के लिए एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरना तय है। यहां पर एक तथ्य का उल्लेख करने का,मन हो रहा है। यूएई एक छोटा सा इस्लामिक देश है। दुनिया भर के लोग दुबई में जाकर बहुत बड़े-बड़े निवेश कर रहे हैं। यूएई किसी को अपनी नागरिकता नहीं देता है। उसके बाद भी यूएई में जिस तरह के नियम और कानून हैं। बार-बार सरकार कानूनों को नहीं बदलती है। नागरिकता नहीं होने के बाद भी, लोग वहां पर बड़ी बड़ी संपत्तियां खरीदते हैं। दुबई में हजारों करोड़ों रुपयों का निवेश करते हैं। पिछले 5 दशकों में दुबई,जिस तरीके से दुनिया के सभी देशों के आकर्षण का केंद्र बना है। दुनिया भर के देशों के नागरिक और कारोबारियों के लिए यूएई एक विश्वास का प्रतीक बना है। जो देश रेगिस्तानी इलाके में हैं। जिसके पास न्यूनतम संसाधन है।

तेल के अलावा ऐसा कुछ नहीं है,जिससे दुबई की आर्थिक प्रगति हो। उसके पास श्रम संसाधन भी नहीं है। इसके बाद भी वहां आर्थिक निवेश करने का मुख्य कारण ओर वहां आने-जाने वाले लोगों के लिए वहां की कानून व्यवस्था सभी को आकर्षित करती है। वहां जो निवेश किया गया है,उसमें सरकारी हस्तक्षेप एवं टैक्स इत्यादि को लेकर बार-बार नियम कानून नहीं बदले जाने के कारण,मरुस्थल का छोटा सा देश, आज सारी दुनिया में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है। यूएई की तुलना में भारत के पास प्राकृतिक संसाधन बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। जल,जंगल और जमीन, पूरे साल में ठंड गर्मी और बरसात का मौसम, किसी ना किसी प्रदेश में बना रहता है। देवत्व की इस भूमि पर भारत सरकार इस अवसर का लाभ, तभी ले सकती है जब वह दीर्घकालीन योजनाएं बनाकर सारी दुनिया के देशों को विश्वास दिलाने में सफल हो। भारत के नियम कायदे कानून का पालन संवैधानिक संस्थाओं के जरिए होता है। सभी के हित सुरक्षित होंगे।

लस्ट स्टोरीज 2 में दिखेगी तमन्ना-विजय की जोडी

-दोनों पहली बार इस सीरीज में साथ नजर आयेंगे

अभिनेत्री तमन्ना और विजय वर्मा की जोड़ी बहुत जल्द ही लस्ट स्टोरीज 2 में भी नजर आएगी। दोनों पहली बार इस सीरीज में साथ नजर आने वाले हैं। इसको लेकर ये भी कहा जा रहा है कि इस सीरीज में एक्ट्रेस ने अपना 18 साल पुराना नियम तोड़ दिया है। लस्ट स्टोरीज 2 के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन लोगों में से थी जो पर्दे पर इंटीमेट सीन देखकर कहती थीं कि मैं ये कभी नहीं करूंगी। लेकिन जब बात आती है विजय वर्मा की तो उन्होंने उनके लिए अपना ये नियम तोड़ दिया। प्रोमोज में दोनों की शानदार कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वहीं किस पर खबरों पर भी उन्होंने जवाब देते हुए कहा, यह पूरी तरह से क्रिएटिव कोशिश है। अब 18 साल बाद मैं मशहूर होने के लिए ये सब नहीं कर रही हूं।

तमन्ना ने इंटीमेट सीन न करने के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले उन्हें लगता है उन्हें इंटीमेट सीन करता देख ऑडियंस ऑक्वर्ड फील करेगी। लेकिन अब इंडियन ऑडियंस पिछले कुछ साल में काफी आगे बढ़ गई है । ऐसे में वो नहीं चाहती थीं कि एक एक्ट्रेस के रूप में उनकी कोई हिचकिचाहट उन्हें क्रिएटिव होने से रोके। बता दें कि इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में है।

लस्ट स्टोरीज 2 का निर्देशन अमित रविंद्रनाथ शर्मा, आर बाल्की, कोंकणा सेन शर्मा और सुजॉय घोष कर रहे हैं।

वहीं कास्ट की बात करें तो इसमें अमृता सुभाष, अंगद बेदी, काजोल, कुमुद मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीना गुप्ता, तमन्ना भाटिया, तिलोत्तमा शोम और विजय वर्मा सहित शानदार कलाकार नजर आएंगे।

रॉकी और रानी में धर्मेंद्र, शबाना और जया भी नजर आयेंगे

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। रणवीर और आलिया के अलावा फिल्म में धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन सहित फिल्म जगत के दिग्गज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। करण जौहर मौजूदा वक्त में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अहम मुख्य भूमिकाओं में हैं।बीते दिनों जब निर्माता करण जौहर का जन्मदिन था, तब उन्होंने इस खास मौके पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला लुक साझा किया था। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का अवतार बहुत प्यारा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री का इंतजार है। इस फिल्म में करण ने 7 साल बाद निर्देशन की कमान संभाली है। पिछली बार उन्होंने 2016 की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल का निर्देशन किया था।यह फिल्म 28 जुलाई को दर्शकों के बीच आएगी। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। बीते दिनों जब निर्माता करण जौहर का जन्मदिन था, तब उन्होंने इस खास मौके पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला लुक साझा किया था। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का अवतार बहुत प्यारा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री का इंतजार है।

सत्यप्रेम की कथा के गाने सुन सजनी में कार्तिक और कियारा गरबा बीट्स पर झूमते आए

सत्यप्रेम की कथा का सुन सजनी गाना हुआ रिलीज, डांस नंबर में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जबरदस्त केमेस्ट्री आई नजर आई। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की ब्लॉकबस्टर जोड़ी ने अपने लेटेस्ट ट्रैक सुन सजनी के साथ एक बार फिर अपना जादू बिखेरा है। ये गाना आज रिलीज हुआ है। लेकिन टीजर से गाने की झलक पाकर फैन्स पहले ही सुपर-एक्साइटेड हो गए थे। सत्यप्रेम की कथा प्योर रोमाटिंक फिल्म है जिसकी खुमारी हर तरफ छाई हुई है। ऐसे में जहां दर्शक फिल्म के सुपर रोमांटिक गानों में सराबोर हो चुके है, वहीं मेकर्स इसे अगले स्तर तक बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। और सुन सजनी गाने के साथ उन्होंने सभी को गरबा बीट्स पर झूमने के लिए मजबूर किया हैं। हाल में रिलीज हुए इस गाने के टीजर में एक भव्य गरबा उत्सव गीत की झलक मिली थी। ग्रैंड सेलिब्रेशन विजुअल्स, रंगीन कैनवास, और धमाकेदार गरबा बीट्स के साथ अच्छी तरह से सजाया गया, सुन सजनी एक ऐसा गीत है जो वास्तव में लोगों के दिलों पर राज करेगा। इस गाने में कार्तिक आर्यन को पहली बार गुजराती अवतार में डांस फ्लोर पर धूम मचाते देखा जा सकता हैं। कार्तिक के साथ कियारा भी गरबा करते हुए दिखाई दे रही हैं और गाने में दोनों की सिजलिंग केमिस्ट्री को कोई भी मिस नहीं कर सकता है। सुन सजनी को मीत ब्रदर्स, परंपरा टंडन और पीयूष मेहरोलिया ने गाया हैं। वहीं इस गाने का म्यूजिक मीत ब्रदर्स ने दिया हैं और गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। इसके अलावा फिल्म से रिलीज हुए नसीब से और आज के बाद और गुज्जू पटाका गानें पहले से ही दर्शकों की प्ले लिस्ट का हिस्सा बन चुके है। अब इस लिस्ट में लेटेस्ट ट्रैक सुन सजनी भी शुमार हो गया है। सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नमः पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू में अक्षय निभा रहे मुख्य भूमिका

वास्तविक घटना पर आधारित है है फिल्म

बालीवुड फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। एक्टर अक्षय कुमार की प्रमुख भूमिका वाली यह फिल्म अब 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और अजय कपूर ने किया है जबकि इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है। मालूम हो कि वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल एक दिन बाद 6 अक्टूबर को रिलीज होगी लेकिन वह फिल्म सीधे ओटीटी पर आएगी। टीनू सुरेश देसाई की आखिरी फिल्म रुस्तम (2016) में भी अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

वास्तविक घटना पर आधारित है है फिल्म

द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अधिकारी स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की वास्तविक घटना पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। निर्माताओं ने इसे यॉर्कशायर में पिछले साल शूट किया है। फिल्म में अक्षय गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे, जबकि इसमें परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में हैं। 5 अक्टूबर को रिलीज की तारीख के रूप में चुनकर, निर्माताओं ने यह सुनिश्चित किया है कि द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू को कम से कम अब तक एक एकल रिलीज मिलेगी, क्योंकि उस दिन कोई अन्य बॉलीवुड फिल्म रिलीज होने की उम्मीद नहीं है।

अब सूर्या भी बॉलीवुड में उतरेंगे

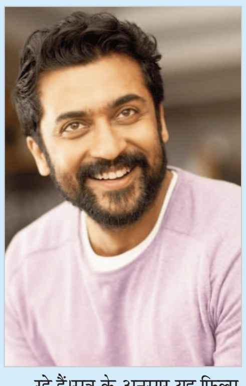

दक्षिण भारत के सितारों जूनियर एनटीआर, रामचरण, रवि तेजा, थलापति विजय, मेगा स्टार चिरंजीवी आदि की फिल्में हिन्दी में आईं और सफल रही हैं। अब दक्षिण के सुपर सितारों में शामिल अभिनेता सूर्या भी हिन्दी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि सूर्या को लेकर निर्माता निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा महाभारत पर आधारित फिल्म कर्ण का निर्माण करने जा रहे हैं। सूर्या इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की शूटिंग में व्यस्त हैं। फैंस को इस पीरियड ड्रामा फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंग दे बसंती और भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्में बना चुके राकेश ओम प्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण को लेकर अभिनेता से बातचीत चल रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक राकेश और सूर्या के बीच कुछ समय से कर्ण पर चर्चा चल रही है।

दावे के मुताबिक दोनों के बीच प्रोजेक्ट को लेकर बात सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि सूर्या भी दो भाग वाले इस महाकाव्य का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।सूत्र के अनुसार यह फिल्म महाभारत पर आधारित होगी, जिसमें सूर्या लीड रोल निभाते हुए दिखेंगे। इस फिल्म को पैन इंडिया लेवल पर बनाया जाएगा, साथ ही इसे कई भाषाओं में रिलीज करने की भी तैयारी है। माना जा रहा है कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो फिल्म की शूटिंग 2024 में शुरू हो सकती है। गौरतलब है कि सूर्या मौजूदा समय में निर्देशक सिरुथा शिवा के साथ कंगुवा पर काम कर रहे हैं।

इसका अगला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है। मेगा-बजट फिल्म की भव्य रिलीज की योजना है। इस फिल्म की शूटिंग 2023 के अंत तक पूरी होने की संभावना है।

'महाभारत' फेम गजेंद्र चौहान ने की 'आदिपुरुष' के बैन की मांग

बोले- 'मेकर्स को सजा मिलनी चाहिए, वे इसके हकदार'

ओम राउत निर्देशित फिल्म 'आदिपुरुष' रिलीज के बाद से लगातार विवादों में बनी हुई है। इसके किरदार और डायलॉग्स पर लोग खूब आपत्ति जता रहे हैं और फिल्म को बैन करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इसके डायलॉग में बदलाव भी कर दिया गया है, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। इसी बीच बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में युधिष्ठिर की भूमिका निभाने वाले गजेंद्र चौहान ने भी 'आदिपुरुष' के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

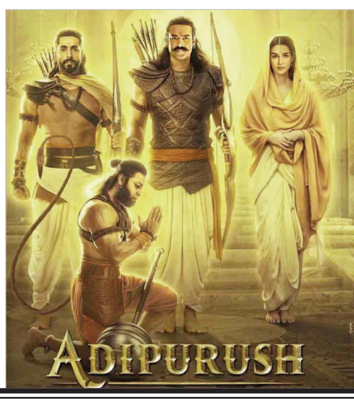

मीडिया से बातचीत में गजेंद्र चौहान ने कहा कि उन्होंने टिकट खरीदने के बावजूद फिल्म नहीं देखी। उन्होंने कहा कि उनकी अंतरात्मा ने यह मानने से इनकार कर दिया कि उन्हें थिएटर में जाकर फिल्म देखनी चाहिए। ट्रेलर और छोटी क्लिप देखने के बाद उन्हें एहसास हो गया था कि 'आदिपुरुष' देखने लायक नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मैं अपनी आस्थाओं से समझौता नहीं करना चाहता। मैं भगवान राम को भगवान श्री राम के रूप में देखना चाहता हूं।'

एक्टर ने आगे कहा कि इसके पीछे गहरी साजिश है और वे आने वाली पीढ़ियों को भ्रष्ट करना चाहते हैं। वह टी-सीरीज के हेड भूषण कुमार से कहना चाहेंगे कि उन्हें इन सभी चीजों का उसी ईमानदारी से ध्यान रखना चाहिए जैसे उनके पिता गुलशन कुमार ने रखा था और जिस तरह से उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी चीजों को बिल्कुल भी महत्व नहीं दिया जाना चाहिए।

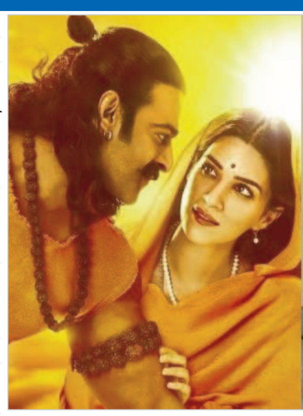

मनोज मुंतशिर द्वारा लिखे गए 'आदिपुरुष' के डायलॉग में किए गए बदलाव को लेकर गजेंद्र ने कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है क्योंकि नुकसान पहले ही हो चुका है। लोगों ने फिल्म को खारिज करके पहले ही फिल्ममेकर्स को सजा दी है। वे सजा के हकदार हैं और उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

इतना ही नहीं, गजेंद्र चौहान ने सेंसर बोर्ड के फैसलों पर हैरानी जताते हुए कहा कि इस फिल्म को लेकर उनसे भी पूछताछ की जानी चाहिए। इस फिल्म को रिलीज ही नहीं किया जाना चाहिए था। पूरी फिल्म पर बैन लगाया जाना चाहिए। सरकार को फौरन इस पर रोक लगानी चाहिए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 260 , निफ्टी 105 अंक फिसला

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 259.52 अंक करीब 0.41 फीसदी नीचे आकर 62,979.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,240.63 तक ऊपर जाने के बाद 62,874.12 तक गिरा। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 105.75 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी नीचे आया है। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,756.40 तक ऊपर जाने के बाद 18,647.10 तक गिरा पर अंत में निफ्टी 18,665.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 7 शेयर ही लाभ के साथ हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.68 फीसदी तक उछले , भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 23 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयरों को सबसे ज्यादा करीब 1.77 फीसदी नुकसान हुआ। इसके अलावा एसबीआई, पावर ग्रिड, टाटा स्टील और इंफोसिस सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत` गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 198.24 अंक की गिरावट के साथ 63,040.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 69.45 अंक की गिरावट के साथ 18,701.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में कमजोरी दिखी है। सुबह सेंसेक्स 141.63 अंक की गिरावट के साथ 63,097.26 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 40.50 अंक की गिरावट के साथ 18730 के स्तर पर रहा था।

डेलॉयट ने बायजू का ऑडिट कार्य छोड़ा

नई दिल्ली । ऑडिट कंपनी डेलॉयट ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू की तरफ से वित्तीय विवरण देने में देरी होने पर इसके ऑडिटर का कार्य छोड़ दिया है। इसके साथ निदेशक मंडल के तीन सदस्यों के भी पद छोड़ने की खबरें आ रही हैं। वर्ष 2025 तक बायजू का ऑडिट करने के लिए चुनी गई फर्म डेलॉयट हैस्किंस एंड सेल्स ने कंपनी के वित्तीय विवरण आने में देर होने का कारण बताते हुए खुद को इससे तत्काल प्रभाव से अलग कर लिया है। डेलॉयट ने बायजू की प्रवर्तक कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल को भेजे गए एक पत्र में कहा कि वह वित्तीय विवरण मिलने में विलंब होने से ऑडिट का काम नहीं शुरू कर पाई है जिससे वह निर्धारिक मानकों के अनुरूप ऑडिट का काम नहीं पूरा कर पाएगी। इसके बाद बायजू ने एक बयान में बीडीओ को नया ऑडिटर नियुक्त किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि इससे वित्तीय समीक्षा एवं जवाबदेही के उच्चतम मानदंड के अनुपालन में मदद मिलेगी।

सरकार ने क्रोमियम अयस्क निर्यात पर रोक लगाई

नई दिल्ली । सरकार ने क्रोमियम अयस्कों और सान्द्र (कॉन्सनट्रेट) के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इनका उपयोग स्टेनलेस स्टील के उत्पादन समेत विभिन्न उद्योगों में किया जाता है। भारत ने 2022-23 में 1.09 करोड़ डॉलर के क्रोमियम अयस्क और सान्द्र का निर्यात किया। यह लगभग पूरा ही चीन को निर्यात किया गया। यह निर्णय इन खनिजों के निर्यात पर लगाम लगाएगा क्योंकि अब एक निर्यातक को इनके लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय डीजीएफटी) से लाइसेंस लेना होगा। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में बताया कि एचएस कोड 2610 के तहत निर्यात वस्तुओं को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है।

यूपी में पेट्रोल सस्ता, राजस्थान में महंगा

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को हल्की गिरावट है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.09 डॉलर गिरकर 69.42 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.04 डॉलर गिरकर 74.01 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को कुछ राज्यों को छोड़कर बाकी जगह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राजस्थान में पेट्रोल 73 पैसे और डीजल 66 पैसे महंगा हो गया है, वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल 43 पैसे सस्ता हो गया है। झारखंड में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत 26 पैसे नीचे आ गई है। महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर में भी ईंधन सस्ता हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.42 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एप्पल यूजर अब पासवर्ड की जगह पासकी का करेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली । एपल यूजर को अब पासवर्ड की पासकी का इस्तेमाल करके अपने डिवाइस को हैक होने से बचा सकते हैं। एप्पल यूजर्स जानते हैं कि कंपनी एपल प्रोडक्ट के साथ यूजर्स को बेहतर सुरक्षा का एनवायरमेंट उपलब्ध करवाती है। एपल यूजर्स और उनके सेंसिटिव डेटा की सिक्योरिटी के लिए कंपनी सिक्योरिटी-फॉक्स्ड फीचर्स को पेश करती है। इसी कड़ी में कंपनी ने अपने यूजर्स के लिए एक नया अपडेट जारी किया है। एपल यूजर्स के लिए जारी नए अपडेट के मुताबिक आईओएस 17, आईपेड ओएस 17, और मेक ओएस सोनोमा के साथ यूजर्स अपनी सुरक्षा को और पक्की कर सकते हैं। वे यूजर्स जिनके पास एपल आईडी है, वे पासकी का इस्तेमाल कर सकेंगे। आईओएस 17, आईपेड ओएस 17, और मेक ओएस सोनोमा यूजर्स के लिए एपल आईडी के साथ सुरक्षा के इस फीचर को ऑटोमेटिक सेटिंग में पाया जा सकेगा। यानी यूजर को एपल आईडी के इस्तेमाल के साथ पासकी की सिक्योरिटी मैन्युअली सेट करने की जरूरत नहीं होगा। नए अपडेट के साथ यूजर्स एपल आईडी के साथ आईक्लाउड, ऐप स्टोर और एपल अकाउंट वेबसाइट के लिए लॉग-इन के लिए पासवर्ड का इस्तेमाल करते थे। यह हैकर द्वारा जानकारियों को चुराए जाने का खतरा पैदा कर सकता था। नए अपडेट के साथ इन सर्विस के लिए पासवर्ड की जगह पासकी का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसका मतलब हुआ कि एपल यूजर वेब पेज एपल पेज के लिए साइन-इन करते हुए टच आईडी और फेस आईडी का इस्तेमाल कर सकेगा। एपल की एक पोस्ट के मुताबिक यूजर्स के लिए एक क्रिप्टोग्राफिक एन्टिटी है। इसका इस्तेमाल पासवर्ड की जगह किया जा सकता है। पासकीज में पासवर्ड के मुकाबले बेहतर सुरक्षा मिलती है, क्यों कि यह की-पेयर के साथ आता है। जहां एक की वेबसाइट और ऐप के साथ रजिस्टर्ड होते हुए पब्लिक होती है, जबकि दूसरी प्राइवेट होती है।

अद्वितीय नवप्रवर्तन के साथराहे रोशन : क्रिसेंट लाइटिंग ने क्रांतिकारी एलईडी फ्लड लाइट और एलईडी स्ट्रीट लाइट समाधान के लिए पेटेंट हासिल किया

क्रिसेंट लाइटिंग, भारत की अग्रणी वर्टिकल इंटीग्रेटेड एलईडी लाइटिंग निर्माण कंपनी, आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, वास्तुशिल्प, इनडोर और आउटडोर स्थानों के लिए प्रकाश समाधान की अपनी उत्पाद श्रृंखला के साथ विशेष रूप से अपने दोनए उत्पाद , RAW LED Street Light औरनई लॉन्च की गई RAW LED फ्लड लाइट के लिए पेटेंट प्राप्त कर चुकी है। CRS70 - RAW - LED स्ट्रीट लाइट डिज़ाइन संख्या - 378535-001 विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए स्ट्रीट लाइट का उपयोग करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है और the CRF90 - RAW - LED Flood Light DESIGN NO - 378310-001अत्याधुनिक टेक्नोलीजी से सज्ज लाइटिंग सोल्युशन हे जो ज्यादा प्रकाश, एनर्जी एफिसियन्सी देने वाली और टकाऊ है।

क्रिसेंट लाइटिंग प्रकाश उद्योग में अग्रणी है, जो हमारी दुनिया को रोशन करने के तरीके में क्रांति लाने के लिए समर्पित है। उनकी RAW LED स्ट्रीट लाइट- CRS70 और RAW LED फ्लड लाइट- CRF90 प्रकाश उद्योग में नवीनता और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित अकरते अत्याधुनिक LED तकनीक का उपयोग करती हैं। रॉ एलईडी फ्लड लाइट एक बेस्ट-सेलर और गर्वित मेक इन इंडिया निर्माण है, जो बेहतर प्रदर्शन के लिए नए मानक स्थापित करता है। अत्याधुनिक तकनीक के साथ, यह फ्लड लाइट न केवल चमक सुनिश्चित करती है बल्कि लंबे समय तक चलने वाली स्थायित्व और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित करती है। इसे समय की कसौटी पर खरा उतरने और सुसंगत, उच्च गुणवत्ता वाला प्रकाश अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है। क्रिसेंट लाइटिंग के उत्पादों और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया कंपनी की वेबसाइट https://crescentlighting.in/ पर जाएं।

रॉ एलईडी स्ट्रीट लाइट- सीआरएस70 भारत में अपनी तरह की पहली है और असाधारण प्रदर्शन देने के लिए पीसी (पॉलीकार्बोनेट) सामग्री का उपयोग करती है। यह ऊर्जा दक्षता औरलंबा चनलने मे एक नया मानक स्थापित करता है।

क्रिसेंट लाइटिंग की RAW LED फ्लड लाइट- CRF90 और RAW LED स्ट्रीट लाइट दो उत्पाद हैं जो नवीनतम और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। RAW LED फ्लड लाइट- CRF90 में पीसी सामग्री और एक पॉलीकार्बोनेट एंटी-संक्षारक क्रैडल है, जबकि RAW LED स्ट्रीट लाइट में IP65 रेटिंग के साथ एक पॉलीकार्बोनेट फिक्स्चर है। रॉ एलईडी स्ट्रीट लाइट सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को रोशन करने, पैदल चलने वालों और वाहनों के लिए सुरक्षा और दृश्यता बढ़ाने के लिए एक विश्वसनीय और ऊर्जा-कुशल समाधान है। देशभर में इसकी 1 मिलियन से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकीहैं। रॉ एलईडी फ्लड लाइट और रॉ एलईडी स्ट्रीट लाइट दोनों ही अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाले अभिनव और विश्वसनीय प्रकाश समाधान प्रदान करने के लिए क्रिसेंट लाइटिंग के समर्पण का उदाहरण देते हैं।

टीसीएस ने चार बड़े स्तर के अधिकारियों को नौकरी से निकाला

- नौकरी के बदले स्टाफिंग कंपनियों से रिश्वत लेने का मामला

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) ने नौकरी के बदले स्टाफिंग कंपनियों से रिश्वत लेने के मामले में चार बड़े अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया है। दिग्गज कंपनी ने पाया कि जिन कुछ सीनियर अधिकारियों को हजारों महत्वपूर्ण कर्मियों को नियुक्त करने का काम सौंपा गया था, उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से समझौता करते हुए स्टाफिंग फर्मों से रिश्वत ली है। एक रिपोर्ट के अनुसार घोटाले की पूरी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन इस घटनाक्रम से अवगत दो अधिकारियों ने कहा कि एक व्हिसलब्लोअर ने टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य परिचालन अधिकारी को एक मेसेज किया है। इस मेसेज में व्हिसलब्लोअर ने आरोप लगाया है कि कंपनी के भर्ती डिपार्मेंट में टीसीएस के संसाधन प्रबंधन समूह (आरएमजी) के वैश्विक प्रमुख ई.एस.चक्रवर्ती वर्षों से स्टाफिंग फर्मों से कमीशन ले रहे हैं। इस शिकायत के बाद कंपनी ने आरोपों की जांच के लिए तुरंत कंपनी के मुख्य टीसीएसन ने कुछ हफ्तों की जांच के बाद भर्ती प्रमुख को छुट्टी पर भेज दिया और आरएमजी के चार अधिकारियों को बर्खास्त करने के साथ तीन स्टाफिंग फर्मों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। हालांकि, कंपनी को अभी तक अनियमितताओं के पैमाने का पता

नहीं चल पाया है लेकिन दो अधिकारियों में से एक ने कहा कि घोटाले में शामिल लोगों ने कमीशन के जरिये कम से कम 100 करोड़ रुप, कमाए होंगे। टीसीएस के एक प्रवक्ता ने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में समय-समय पर शिकायतें आती रहती हैं, लेकिन कंपनी के पास उनकी जांच करने और समाधान करने के लिए मजबूत प्रक्रियाएं हैं। यह टीसीएस में सामने आया पहला ऐसा घोटाला है। यह के कृतिवासन के कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदभार संभालने के कुछ ही दिनों बाद आया है।

अखाड़े में उतरने को तैयार मेटा और ट्विटर के सीईओ

न्यूयॉर्क । दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग एक-दूसरे का सामना करने के लिए एक रिंग (अखाड़ा) में उतरने के लिए तैयार हैं। एलन मस्क ने ट्वीट कर कहा कि वह जुकरबर्ग से रिंग में भिड़ने को तैयार हैं। इस पर फेसबुक के सीईओ माक`जुकरबर्ग ने एलन मस्क के ट्वीट का स्क्रीन शॉट लगाते हुए ट्वीट किया कि मुझे जगह बता दो। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। इसके बाद मस्क ने जुकरबर्ग को जवाब देते हुए लिखा` कि वेगस ऑक्टागन ऑक्टागन, अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) मुकाबलों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला प्रतियोगिता मैट और बाड़-युक्त क्षेत्र है। यूएफसी लास वेगास, नेवादा में स्थित है। मस्क ने ट्वीट कर कहा कि मैंने लगभग न के बराबर वकआउट किया है। मैंने अपने बच्चों को उठाकर हवा में उछालने से अलावा कुछ नहीं किया है। दोनों अरबपतियों के प्रशंसक यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस मुकाबले में जीत किसकी होगी?

अदाणी समूह के लिए एक और मुश्किल, अमेरिकी नियामकों ने शुरू की जांच

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क ब्रूकलिन के अमेरिकी अटार्नी ऑफिस और अमेरिकी अधिकारी अदाणी ग्रुप द्वारा अपने बड़े शेयरहोल्डर्स को दिए गए बयान को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। यह जांच इसलिए की जा रही है क्योंकि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने जो अदाणी ग्रुप को लेकर खुलासे किए थे, उसके बाद कंपनी को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। जिसके बाद ग्रुप ने अपने निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए उनसे बातचीत की थी। अब इस पर अमेरिकी नियामक की इस पर नजर पड़ी है और उन्होंने अदाणी ग्रुप के बड़े शेयरहोल्डर्स से पूछाताछ शुरू की है कि ग्रुप के साथ उनकी क्या बातचीत हुई। गौरतलब है` कि इस अदाणी ग्रुप पर अटार्नी ऑफिस पिछले कुछ महीने से जांच कर रही है। साथ ही अमेरिकी बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन भी इस पर जांच कर रही है। इसके अलावा भारतीय बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) भी अदाणी ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रहा है। सेबी अपनी जांच में यह पता लगाना चाह रहा है कि क्या कंपनी ने मार्केट से जुड़े किसी भी नियम का उल्लंघन तो नहीं किया है। बता दें कि यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुरू की गई है। इस जांच को लेकर कोर्ट ने सेबी को दो महीने का समय दिया था। लेकिन सेबी ने कोर्ट से अतिरिक्त समय का आग्रह किया, जिसके बाद 17 मई को सेबी की याचिका पर कोर्ट ने 14 अगस्त तक का समय दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इसके बाद भी सेबी को समय की जरूरत पड़ेगी तो 30 सितंबर तक का और समय भी दिया जा सकता है।

एक महीने में दालों की कीमत 120 से बढ़कर 155 रुपए किलो पहुंची

नई दिल्ली ।

पिछले एक महीने में दालों के दाम तेजी से बढ़े है। दालों के साथ तड़का लगाना भी महंगा हुआ है। दाल और जीरे की महंगाई ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। जीरे के दाम में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है तो अरहर की दाल में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। 1 महीने में सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली दाल के दाम 120 से बढ़कर 155 प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। अरहर की दाल 35 रुपए किलो तक महंगी हो गई है। काबुली चना भी महंगाई हो गया है। इसमें 20 रुपए की तेजी आई है। उड़द काली और धुली दाल पर भी 10 की तेजी आई है। वहीं दूसरी दालों में राजमा चने की दाल के दाम स्थिर होने की बात है। मसूर और मलका के दाम कम हुए हैं।

डेढ़ महीने पहले मसूर 120 रुपए किलो थी लेकिन अब 90 रुपए किलो तक बिक रही है। मलका भी सस्ती हो गई है। 110 रुपए किलो बिकने वाली मलका 80 तक पहुंच गई है। दालों पर 30 रुपए की गिरावट से अरहर, उड़द, काबुली चना की महंगाई की भरपाई कर रही है। अरहर की अच्छी गुणवत्ता वाली दाल पहले 120 रुपए किलो मिलती थी जो अब 155 रुपए किलो है। वही अरहर की अच्छी गुणवत्ता वाली दाल 90 रुपए की मिलती थी जो अब 120 रुपए किलो है। उड़द की दाल पहले 100 रुपए किलो मिलती थी। अब 110 रुपए किलो मिल रही है।

इफको ने अमेरिका को तरल नैनो यूरिया का निर्यात करने समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली ।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

प्रमुख उर्वरक सहकारी संस्था इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने कहा कि उसने अमेरिका को तरल नैनो यूरिया के निर्यात के लिए कैलिफोर्निया स्थित कपूर एंटरप्राइजेज इंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 21 जून को इस समझौते पर हस्ताक्षर` किए गए थे। सहकारी संस्था ने एक बयान में कहा` कि इफको ने अब संयुक्त राज्य अमेरिका को नैनो तरल यूरिया का निर्यात शुरू कर दिया है। हालांकि, इफको ने कपूर एंटरप्राइजेज से मिले अनुबंध की मात्रा और मूल्य के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। मौजूदा समय में यह सहकारी संस्था 25 से अधिक देशों में 5 लाख से अधिक बोतल नैनो तरल यूरिया का निर्यात कर रही है। इफको ने जून 2021 में, दुनिया का पहला नैनो यूरिया उर्वरक शुरु किया, जबकि इस साल अप्रैल में नैनो डीएपी शुरु किया गया। इफको नैनो तरल यूरिया की 500 मिलीलीटर की बोतल, पारंपरिक यूरिया के कम से कम एक बैग की जगह ले लेगी। सहकारी संस्था ने कहा कि यह बोतल लॉजिस्टिक और भंडारण की लागत को काफी कम कर सकती है। इसमें कहा गया है कि वाणिज्यिक बाजार में अपनी स्थापना के बाद से इफको भारत में नैनो तरल यूरिया की 5.7 करोड़ से अधिक बोतलें बेच चुकी है। नैनो यूरिया को पौधों के पोषण के लिए प्रभावी और कुशल पाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्रीय वर्षा आधारित तराई चावल अनुसंधान स्टेशन, गेरुआ (असम) और आईआरआरआई-आईएसएआरसी परीक्षण (खरीफ 2021) की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार यदि देश अपने चावल क्षेत्र का 50 प्रतिशत नैनो यूरिया के तहत लाता है, तो ग्रीन हाउस गैस में 4.6 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर कमी ला सकता है।

कंप्यूटर चिप बनाने वाली कंपनी माइक्रोन गुजरात में सेमी कंडक्टर बनाएगी

मुंबई ।

कंप्यूटर चिप बनाने वाली कंपनी माइक्रोन गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र लगाएगी, जिस पर कुल 2.75 अरब डॉलर (22,540 करोड़ रुपए) का निवेश होगा। माइक्रोन ने कहा कि दो चरणों में विकसित किए जाने वाले इस संयंत्र पर वह 82.5 करोड़ डॉलर खर्च करेगी। बाकी राशि का निवेश केंद्र एवं राज्य सरकारों की तरफ से किया जाएगा। अमेरिकी कंपनी ने कहा कि सरकार की संवर्द्धित असेंबली, परीक्षण, मार्किंग एवं पैकेजिंग (एटीएमपी) योजना के तहत इस संयंत्र को मंजूरी दी गई है।

इस योजना के तहत केंद्र सरकार परियोजना की कुल लागत के 50 प्रतिशत हिस्से का वित्तीय समर्थन देगी जबकि 20 प्रतिशत राशि गुजरात सरकार की तरफ से दी जाएगी। माइक्रोन ने कहा` कि गुजरात में इस असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र का चरणबद्ध निर्माण वर्ष 2023 में ही शुरू हो जाने की उम्मीद है। पहले चरण में पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र विकसित किया जाएगा और वर्ष 2024 के अंत तक इसका परिचालन शुरू हो जाएगा।

सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माता ने कहा कि इस संयंत्र की स्थापना से करीब 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा जबकि 15,000 लोगों को अगले कई साल तक परोक्ष रोजगार मिलता रहेगा। माइक्रोन ने कहा कि नए संयंत्र में डीआरएएम और एनएएनडी दोनों उत्पादों की असेंबली एवं परीक्षण विनिर्माण हो सकेगा और स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों से आने वाली मांग भी पूरी की जा सकेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाड़ी बोले, टीम के डीजे हैं अर्शदीप

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स की ओर से तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस सत्र में अपनी टीम की ओर से कुल 14 मुकाबले खेलते हुए 17 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कई अवसरों पर अपनी टीम को जीत भी दिलायी थी। वहीं अब पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों का एक वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। इस वीडियो में जब उनसे पूछा गया कि टीम का डीजे कौन है? तो सभी खिलाड़ियों ने अर्शदीप सिंह का नाम लिया। इसका कारण ये रहा कि अर्शदीप ने इस सत्र के दौरान खेल के साथ ही साथी खिलाड़ियों के साथ जमकर हंसी मजाक भी किया। इसके कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर आये हैं। जिसमें अर्शदीप अपने साथी खिलाड़ियों का मनोरंजन करते दिखे।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम घोषित, यशस्वी और मुकेश शामिल

पुजारा और उमेश बाहर हुए ,नवदीप की वापसी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में भी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ही रहेंगे। इससे उन्हें आराम दिये जाने की सभी अटकलों पर विराम लग गया है। बीसीसीआई चयनसमिति ने टीम में दो बदलाव करते हुए हाल में शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है। इन दोनो ने ही घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खराब प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव को टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि तेज गेंदबाज नवदीप सैनी की लंबे समय के बाद टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आराम देने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। वहीं शादी के कारण विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मुकाबले से नाम वापस लेने वाले रुतुराज गायकवाड़ को टेस्ट और एकदिवसीय दोनो ही टीमों में शामिल किया गया है। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज दौरे में दो टेस्ट मैचों के साथ ही तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज भी खेलनी है। इसके अलवा टीम पांच टी20 मैच भी खेलेगी। टी20 के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

टेस्ट टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

एकदिवसीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मो. सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

दौरे का कार्यक्रम इस प्रकार है। -

- 12 16 जुलाई - पहला टेस्ट, विंडसर पार्क, डोमिनिका
- 20 24 जुलाई - दूसरा टेस्ट, क्वींस पार्क ओवल, त्रिनिदाद
- 27 जुलाई - पहला वनडे, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस
- 29 जुलाई - दूसरा वनडे, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस
- 01 अगस्त - तीसरा वनडे, ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद।

ईसीबी ने पहले मुझे दिया था कोच बनने का प्रस्ताव : पोंटिंग

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गत वर्ष उन्हें टीम का कोच बनने का प्रस्ताव दिया था। पोंटिंग के अनुसार उन्होंने कोच पद के प्रस्ताव को इसलिए स्वीकार नहीं किया था क्योंकि वह वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते थे। इसलिए उन्होंने पूर्णकालिक कोच बनने से इंकार कर कर दिया। इसी के बाद न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम को कोच बनाया गया। गौरतलब है कि गत वर्ष एशेज सीरीज में 0-4 से मिली हार के बाद इंग्लैंड की पुरुष टीम में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया था। इसी के तहत क्रिस सिल्वरवुड की जगह मैकुलम और मैथ्यू मॉट को टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम का कोच बनाया गया। वहीं टीम के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स को बाहर कर दिया गया था। पोंटिंग ने कहा कि तब इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नए निदेशक रोबर्ट की ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने उस समय पूर्णकालिक कोच बनने के प्रस्ताव से इंकार कर दिया था क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते थे। पोंटिंग ने कहा, ''मैं अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ पूर्णकालिक कोच की भूमिका निभाने के लिए तैयार नहीं हूं क्योंकि मेरे बच्चे अभी छोटे है और मैं उनसे ज्यादा समय तक दूर नहीं रहना चाहता हूं। पोंटिंग अभी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं।

भगवान बांके बिहारी की शरण में पहूंचे कुलदीप

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज दौरे से पहले भगवान बांके बिहारी के दर्शनों के लिए आजकल वृंदावन में हैं। विश्व टेस्ट चेम्पियनशिप के बाद जहां अधिकांश भारतीय क्रिकेटर अपने परिवारों के साथ समय बिता रहे हैं। वहीं कुलदीप भागवान की शरण में पहुंचे हैं। कुलदीप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं। इसमें वह वृंदवान में पूजा पाठ करते और घूमते हुए दिख रहे हैं। कुलदीप के लिए पिछ्ला समय अच्छा नहीं हरा है और वह टीम में वापसी के लिए प्रयास में लगे हैं। उन्होंने हालांकि आईपीएल 2023 में खेला था पर विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप में उन्हें अवसर नहीं मिला था। कुलदीप ने यहां दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 14 मैचों में 10 विकेट लिए थे। उन्होंने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से दिसंबर 2022 में खेला था। जब भारतीय टीम बांग्लादेश के दौरे पर थी। अब वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुलदीप को भारतीय टीम में जगह मिलने की उम्मीदें हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में दो टेस्ट मैच खेलने हैं।

वानिंदु हसरंगा ने ओमान के बल्लेबाज़ों पर ढाहा कहर, श्रीलंका ने मैच 10 विकेट से जीता

(एजेंसी)

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 क्वालीफायर का 11वां मुकाबला ओमान और श्रीलंका के बीच शुक्रवार (23 जून) को खेला गया था जिसे श्रीलंकाई टीम ने बेहद आसानी से 10 विकेट से जीतकर अपने नाम किया है। इस मैच में ओमान का बैटिंग लाइनअप लंकाई गेंदबाज़ों के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गया जिसके बाद श्रीलंका को 99 रनों का टारगेट मिला जिसे उन्होंने महज 15 ओवर में हासिल करके जीत प्राप्त की।

चमके हसरंगा

इस मुकाबले में श्रीलंका के स्टार गेंदबाज़ वानिंदु हसरंगा ओमान की टीम पर कहर बनकर बरसे। हसरंगा ने 7.2 ओवर गेंदबाज़ी की जिसके दौरान उन्होंने विपक्षी टीम को महज 13 रन देकर उनके पांच विकेट झटक लिये। हसरंगा के सामने ओमान के बल्लेबाज़ बेबस नज़र आए। हसरंगा के अलावा लाहिरू कुमारा ने 8 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट, और कसून रजिथा ने 6 ओवर में 17 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

दिमुथ करुणारत्ने ने जड़ा पचासा

श्रीलंका के गेंदबाज़ों के शानदार प्रदर्शन के बाद अब बल्लेबाज़ों को 99 रनों का लक्ष्य हासिल करके टीम को जीत दिलवाने की जिम्मेदारी थी जिसे बेहद आसानी से लंकाई टीम की सलामी जोड़ी ने पूरा किया। दिमुथ करुणारत्ने बैट के साथ टीम के हीरो रहे। उन्होंने 51 गेंदों पर 8 चौके की मदद से 61 रन बनाए, वहीं पथुम निसांका ने 39 गेंदों पर 37 रनों की पारी खेली।

पॉइंट्स टेबल का हाल

बता दें कि श्रीलंका और ओमान आईसीसी 2023 क्वालीफायर मैच में ग्रुप बी का हिस्सा हैं। श्रीलंका अब तक दो मैचों में दो जीत हासिल करके पॉइंट्स टेबल के टॉप पर विराजमान है। वहीं ओमान की टीम 3 मैचों में 2 मैच जीतकर दूसरे पायदान पर मौजूद है। स्कॉटलैंड की टीम तीसरे, आयरलैंड की टीम चौथे और यूएई की टीम ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर है।

ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल पर वेस्टइंडीज पहले और जिम्बाब्वे दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर नीदरलैंड, चौथे पर नेपाल और पांचवें पर यूएसए की टीम मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं शिवम

नई दिल्ली । आईपीएल के 16वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे अब भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। शिवम ने अब तक भारतीय टीम के लिए एक वनडे और 13 टी20 खेले हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं होने के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था। अब वह एक बार फिर भारतीय टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। शिवम ने कहा, भारत की ओर से फिर से खेलने के लिए में अब सभी विभागों में सुधार करके अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करूंगा। ऐसे में चयनकर्ताओं की नजरें उनपर हो सकती हैं। शिवम अगर अपनी पूरी क्षमता से खेलें तो वह आगामी एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते हैं। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की सफलता में भी शिवम की अहम भूमिका थी। उन्होंने सीएसके की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं थी। शिवम ने अपनी सफलता का श्रेरु सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दिया है। उन्होंने कहा, जब माही भाई ने मुझे कहा कि मैं टीम को अपने बल पर मैच जिता सकता हूं तो मुझे बड़ी खुशी हुई। इस बात ने मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ाया था। शिवम ने आईपीएल 2023 में कुल 16 मैच खेलते हुए 37 की औसत से 411 रन बनाए थे। उन्होंने 159 के स्ट्राइक रेट से 3 अर्धशतक भी लगाये थे। चेन्नई सुपर किंग्स से पहले शिवम ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला था। उन्होंने शुरुआत आरसीबी के साथ की थी पर खराब प्रदर्शन के कारण आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया था। इसके बाद वह आरआर में गए। राजस्थान में भी वह अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे पाए। ऐसे में उन्हें फिर से 2022 में सीएसके ने खरीदा जिसके बाद वह बेहतर होकर सामने आये।

अभी एमपीएल पर ही ध्यान दे रहे केदार

मुम्बई । क्रिकेटर केदार जाघव आजकल महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (एमपीएल) के शुरुआती सत्र में कोल्हापुर टस्कर्स की कप्तानी कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोलापुर रॉयल्स के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 85 रन बनाये हैं। केदार ने एमपीएल में शामिल होने, छह साल बाद आरसीबी में अपनी वापसी, प्रथम श्रेणी, टी-20 केदार ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा है कि आईपीएल में उन्हें कभी भी ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिला था। उन्हें हमेशा ही निचले क्रम में भेजा जाता रहा है। ऐसे में उनके पास एमपीएल में अपने को साबित करने का अवसर था। वहीं भारतीय टीम में वापसी को लेकर उन्होंने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान एमपीएल पर ही है। उसके बाद ही वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलेंगे। गौरतब है कि भारतीय टीम की ओर से जाधव ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय से पारी की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में खेला था। इस क्रिकेटर ने साल 2020 में भारतीय टीम की ओर से अंतिम एकदिवसीय खेला था।

प्रणय क्वार्टर फाइनल में, कश्यप, रोहन कपूर-सिक्की रेड्डी बाहर

(एजेंसी)

ताइपे ओपन 2023 में भारत के मिश्रित परिणाम जारी रहे, शीर्ष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता परुपल्ली कश्यप और रोहन कपूर तथा एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी गुरुवार को दूसरे दौर में हार गई। प्रणय ने इंडोनेशिया के टॉमी सुगियार्तो को 36 मिनट में 21-9, 21-17 से हराया, जबकि कश्यप तियान-मु एरेना के कोर्ट 1 में दूसरे दौर के मुकाबले में चीनी ताइपे के ली यांग सु से 16-21, 17-21 से हार गए। मिश्रित युगल में, रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी ह्सियांग चिएन चिउ और जिओ मिन लिन की स्थानीय जोड़ी से केवल 29 मिनट में 13-21, 18-21 से हार गए। कोर्ट 2 पर सुगियार्तो के खिलाफ खेलते हुए, प्रणय, जिन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के यू सीन लिन को 21-11, 21-10 से हराया था, ने 2-1 के स्कोर से सात अंक जीतकर बढ़त बना ली। उन्होंने जल्द ही इसे 11-2 तक बढ़ा दिया। 13-3 से उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखी और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 इवेंट में 21-9 से पहला गेम जीत लिया, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 210,000 डॉलर है। दूसरे गेम में सुगियार्तो ने संघर्ष करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली। उन्होंने बढ़त को 8-2 तक बढ़ाया लेकिन प्रणय ने वापसी करते हुए इसे 10-7 तक कम कर दिया। उन्होंने खेल में वापसी करना जारी रखा और अंततः 15-ऑल पर सुगियार्तो को पछाड़ दिया। भारतीय विश्व नंबर 9 ने 17-17 से चार अंक जीतकर दूसरा गेम 21-17 से जीता और क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। ली यांग सु के खिलाफ खेलते हुए, कश्यप 3-2 से आगे हो गए, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने 12-7 की बढ़त बनाने से पहले उन्हें 7-7 पर रोक लिया। 9-14 से पिछड़ने के बाद, कश्यप ने वापसी करते हुए अंतर को 14-15 तक कम कर दिया,लेकिन चीनी ताइपे स्टार ने 21-16 से गेम जीत लिया। चीनी ताइपे का शटलर दूसरे गेम में 5-1 से आगे हो गया और फिर अंतर 7-8 पर आ गया। कश्यप ने 12-ऑल पर बढ़त बना ली, इससे पहले कि उनके प्रतिद्वंद्वी ने अगले चार अंक जीतकर स्कोर 16-12 कर दिया। कश्यप ने फिर से अंतर को 16-15 से कम कर दिया और प्रत्येक अंक के लिए संघर्ष किया लेकिन चीनी ताइपे खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-17 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

अश्विन ने रोहित और द्रविड़ पर निशाना साधा

धोनी के समय को याद किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने के बाद से ही काफी नाराज नजर आ रहे हैं। अब अश्विन ने एक साक्षात्कार में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर निशाना साधा है जबकि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को सबसे अलग करार दिया। इसके बाद अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके समय में टीम को सफलता इसलिए मिल रही थी क्योंकि चयनित टीम में खिलाड़ियों को स्थान की सुरक्षा का भरोसा था। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसकों से सहानुभूति है, लेकिन कोई खिलाड़ी रातों-रात नहीं बदलता। हममें से बहुत से लोग धोनी के नेतृत्व के बारे में बात करते हैं। उसने क्या किया? उन्होंने चीजों को काफी सरल बनाये रखा। मैंने माही की कप्तानी में कई साल खेला। वह 15 की एक टीम चुनते थे। फिर उन्हीं 15 को अगले स्क्वॉड में में भी मौका देते थे। उनकी एक ही प्लेइंग इलेवन साल भर खेलती थी। इससे खिलाड़ी निडर होकर खेलता था। वहीं इसके अलावा अश्विन ने एशेज के पहले ही टेस्ट में मिली जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने कहा, बधाई ऑस्ट्रेलिया! यह एक जबरदस्त फाइनल था। लाबुशेन लगातार काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे, उसका भी लाभ टीम को मिला।

आईसीसी ने अमरीकी गेंदबाज फिलिप को निलंबित किया

हरारे । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम के खिलाड़ी काइल फिलिप के गेंदबाजी एक्शन को अवैध मानते हुए उन्हें गेंदबाजी से निलंबित कर दिया है। आईसीसी ने फिलिप के निलंबन का ये फैसला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए हरारे में हुए मैच के आधार पर लिया। इसमें फिलिप के एक्शन की समीक्षा के बाद आईसीसी के इवेंट पैनल ने उसके सही नहीं होने की पुष्टि की थी। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा कि 18 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी टीम के मैच के बाद मैच अधिकारियों ने इस खिलाड़ी की रिपोर्ट की थी। आईसीसी ने कहा, इवेंट पैनल ने फिलिप के गेंदबाजी एक्शन के मैच फुटेज की समीक्षा की और तब पता चला कि उनका गेंदबाजी एक्शन अवैध है। इसलिए नियमों के अनुच्छेद 6.7 के अनुसार उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से निलंबित किया जाता है। साथ ही कहा कि फिलिप का निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक कि उसके गेंदबाजी एक्शन की समीक्षा में उसे वैध नहीं पाया जाता। फिलिप की गेंदबाजी पर लगी इस पाबंदी से अमेरिकी टीम को करारा झटका लगा है।

विशेष ओलंपिक विश्व खेल: बर्लिन में भारतीय दल ने 50 पदक का आंकड़ा पार किया

(एजेंसी)

भारत ने यहां विशेष ओलंपिक विश्व खेल 2023 में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीता और 50 पदक के आंकड़े को पार कर लिया। बर्लिन में बुधवार के अंत तक, विशेष ओलंपिक में भारत के पास पांच अलग-अलग खेलों - एथलेटिक्स, साइक्लिंग, पावरलिफ्टिंग, रोलर स्केटिंग और तैराकी में 55 पदक - 15 स्वर्ण, 27 रजत और 13 कांस्य थे।बुधवार की पदक दौड़ का मुख्य आकर्षण स्विमिंग पूल और साइक्लिंग कोर्स से आया, जिसमें भारत ने पूल में पांच पदक (3 स्वर्ण पदक, 1 रजत और 1 कांस्य) और साइक्लिंग कोर्स में छह (3 स्वर्ण, 2 रजत, एक कांस्य) दर्ज किए। विश्व खेलों में साइक्लिंग प्रतियोगिता ब्रांडेनबर्ग गेट के बगल में आयोजित की जा रही है - जो न केवल बर्लिन और जर्मनी के लिए बल्कि पूरे यूरोप के लिए एक मील का पत्थर है क्योंकि प्रशिया साम्राज्य द्वारा निर्मित स्मारक ने दोनों विश्व युद्धों को सहन किया है और यहां तक कि शहर विभाजन से भी बच गया ।बुधवार को, भारत ने इस आयोजन स्थल का उपयोग अपने लिए इतिहास का एक टुकड़ा चिह्नित करने के लिए किया, साइक्लिंग टीम के प्रत्येक सदस्य ने पदक जीता। नील यादव ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति थे, 5 किमी रोड रेस में उनका कांस्य उस अवधि के अंत में आया जब उनके अधिकांश साथी करीबी अंतर से पदक से चूक गए थे। यादव के पदक ने समूह को आत्मविश्वास दिया, और दोपहर के भोजन के ब्रेक के बाद, उनमें से हर कोई दोपहर के समय के परीक्षणों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया। शिवानी, नील यादव और इंदु प्रकाश ने 1 किमी टाइम ट्रायल में स्वर्ण पदक जीते, जबकि कल्पना जेना और जयसीला अर्बुथराज ने रजत पदक जीता। पूल में, फ्रीस्टाइल तैराक दीक्षा जितेंद्र शिरगांवकर, पूजा गिरिधरराव गायकवाड़ और प्रसिद्धि कांबले के स्वर्ण पदक जीतने के कारनामों की बदौलत भारत के पदकों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। माधव मदन ने अपनी तालिका में एक और पदक (स्वर्ण, 25 मीटर फ्रीस्टाइल) जोड़ा और सिद्धांत मुरली कुमार ने 25 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीता। सोनीपत के साकेत कुंडू ने मिनी जेवलिन लेवल बी में रजत पदक जीता और ऐसा करते हुए, उन्होंने लंबे समय से चले आ रहे इन्तजार को दूर किया, जिसके कारण उन्हें विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विभिन्न स्पर्धाओं से गुजरना पड़ा।

पोंटिंग ने रुट की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे महान क्रिकेटर बताया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक महान क्रिकेटर बताया है। पोंटिंग ने कहा कि यह करिश्माई बल्लेबाजी महान खिलाड़ियों में से एक है जो अपने लगातर अच्छे प्रदर्शन से बेहतर होता जा रहा है। रुट ने एजबेस्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट में 118 और 46 रन बनाए थे। पोंटिंग ने ताजा आईसीसी रिव्यू शो में रूट के बारे में कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें कम माना जाना चाहिये क्योंकि मुझे लगता कि पिछ्ले दो साल के अंदर उन्होंने अपनी पूरी क्षमता से बल्लेबाजी की है। उसने ऑस्ट्रेलिया में कभी भी शतक नहीं बनाया है पर पिछले दो साल के खेल को देखकर मुझे लगता है कि उसने आठ या नौ शतक बनाए हैं, जिसने उसे महान खिलाड़ियों में से एक बना दिया। मुझे लगता है कि अब लोग यह समझने लगे हैं कि जो रूट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं। गौरतलब है कि रूट ने साल 2021 की शुरुआत से 34 मैचों में 58.68 की औसत से 3345 टेस्ट रन बनाए हैं जिसमें 13 शतक भी शामिल हैं। रूट ने भारत के अलावा न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज में जमकर रन बनाए हैं। वह पिछले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) चक्र में भी सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। अब उन्होंने 2023-25 चक्र में भी इसी तरह की शुरुआत की है।

पहले विदेशी पर्यटक ताजमहल देखने आते थे और अब स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने आते हैं : सीआर पाटील

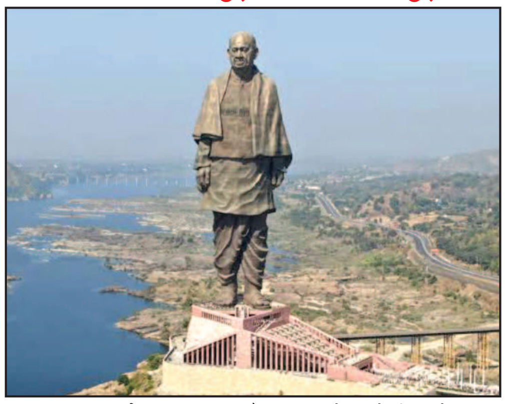

राजकोट। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने ताजमहल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीआर पाटील का कहना है कि पहले विदेशी पर्यटक भारत में ताजमहल देखने आते थे, लेकिन अब समय बदल गया और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। राजकोट के नाना मवा चौक पर आयोजित जनसभा में सीआर पाटील ने कहा कि नर्मदा जिले के केवडिया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा बनाई गई है। जबकि आगरा में 1 ।वीं शताब्दी के मध्य में मुगल शासक शाहजहां द्वारा बनाया गया ताजमहल को दुनिया के अजुबों में एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि पहले जब कभी विदेशी पर्यटक भारत में आते थे तब वह कहते थे ‘हम ताजमहल देखने आए हैं।’ लेकिन अब भारत में आनेवाले विदेशी पर्यटक कहते हैं ‘हम स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने आए हैं।’ आज विदेशी पर्यटक देश के महान व्यक्ति की प्रतिमा और हमारे राष्ट्र का गौरव देखने आते हैं। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्रणी स्वाधीनता सैनानी और स्वतंत्र भारत के पहले उप प्रधनमंत्री व गृह मंत्री सरदार पटेल को योग्य श्रद्धाजंलि दी है। गुजरात भाजपा प्रमुख ने कहा कि भारत जब आजाद हुआ तब सरदार पटेल ने रातों रात 562 रजवाड़ों एक कर अखंड भारत का निर्माण किया था। अखंड भारत का निर्माण करने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह सरदार पटेल हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा उनकी प्रतिभा के प्रमाण में होनी चाहिए, इसलिए पीएम मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के नौ साल की उपलब्धियां जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजकोट में जनसभा का आयोजि किया गया था। जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला, महिला एवं बाल विकास मंत्री भानु बाबरिया, स्थानीय सांसद, विधायक और भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार का कहर, डम्पर से कुचलकर तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत

सूरत। शहर में तेज रफ्तार का आतंक बढ़ता जा रहा है। बेलगाम डम्पर से कुचल कर तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना सूरत के कामरेज के विहान से टिम्बा गांव की ओर जानेवाली सड़क की है। घटना इतनी दर्दनाक थी कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हीरा नगरी के तौर पर विख्यात सूरत में सड़क दुर्घटनाओं में निर्दोष लोगों की मौत हो रही है। ऐसी ही एक घटना ने और तीन लोगों की जान ले ली। सूरत के कामरेज क्षेत्र के विहान से टिम्बा गांव की ओर जानेवाली सड़क पर तेज रफ्तार डम्पर ने तीन लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में गंभीर चोट लगने से तीनों लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद डम्पर में आग लग गई। खबर मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। फायर विभाग के जवानों ने डम्पर में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू की है।

साइबर क्राइम ब्रांच ने जामतारा गिरोह के 5 शख्सों को बिहार से किया गिरफ्तार

सूरत। साइबर क्राइम के मामले में सूरत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सूरत की साइबर क्राइम ब्रांच ने बिहार से जामतारा गिरोह के 5 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही रु. 4.05 लाख रुपए भी बरामद कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने सूरत के व्यापारी के मोबाइल में एक लिंक भेजी थी। जिसके जरिए आरोपियों ने व्यापारी के नेट बैंकिंग समेत अन्य पासवर्ड हासिल कर लिए थे। जिसके बाद आरोपियों ने सूरत के व्यापारी के साथ रु. 10 की ठगी की थी। व्यापारी की शिकायत के आधार पर सूरत की साइबर क्राइम पुलिस ने व्यापारी के बैंक एकाउंट में पड़ी अन्य रकम फ्रीज कर दी और मामला दर्ज कर लिया। सूरत पुलिस ने जामतारा गिरोह के पांच आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। साथ रु. 4.05 लाख भी बरामद किए। गिरफ्तार पांच लोगों में दो आरोपियों ने एमबीए तक पढ़ाई की है। पकड़े गए आरोपियों ने अब तक ऐसे कितने अपराधों का अंजाम दिया है, पुलिस इसकी पूछताछ कर रही है।

गुजरात की बिजली कंपनियों को चक्रवात बिपरजॉय से1013 करोड़ के नुकसान का अनुमान

गांधीनगर। गुजरात सरकार के आंकड़ों के मुताबिक चक्रवात बिपरजॉय से बिजली कंपनियों को 1013 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। प्रभावित क्षेत्रों में 30 जून तक बिजली बहाल कर दी जाएगी। ऊर्जा विभाग ने कहा कि चक्रवाती हवाओं, भारी बारिश ने सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के 8 प्रभावित जिलों और उत्तरी गुजरात के 2 जिलों के बिजली ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क को काफी नुकसान पहुंचाया है।

बहाली प्रक्रिया में 140 किमी प्रति घंटे की हवा की गति वाले क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बहाल करना शामिल था, जिसमें बिजली टावरों, सबस्टेशनों, बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर और सर्विस केबलों की मरम्मत और पुनः स्थापना शामिल थी।

400 केवीए, 220 केवीए और 132 केवीए क्षमता वाले कुल 12 सबस्टेशनों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी, अब सभी सबस्टेशनों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। हालांकि 243 केवीए क्षमता वाले 66 सबस्टेशन और 76 ट्रांसमिशन टावर क्षतिग्रस्त हैं। बहाली में तेजी के लिए, पीजीवीसीएल, जीयूवीएनएल, एमजीवीसीएल, डीजीवीसीएल और यूजीवीसीएल के 2089 से अधिक कर्मियों वाली टीमों को प्रभावित जिलों में तैनात किया गया है। कुल 3495 कस्बों और 4917 गांवों को कवर करते हुए 8 जिलों में बिजली आपूर्ति की बहाली पहले ही पूरी हो चुकी है। हालांकि भारी जलभराव और कुछ क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाई के कारण शेष 28 गांवों में बिजली बहाली नहीं हुई है।

टी शर्ट दिलाने का बहाने 8 साल की बच्ची का अपहरण कर छेड़छाड़ करने के आरोप ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

सूरत। सूरत में आठ साल की बच्ची को मोल में टी शर्ट बहाने उसका अपहरण कर ऑटो ड्राइवर सूनसान जगह ले गया। जहां बच्ची के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की और वहां से फरार हो गया। घर पहुंची बच्ची ने परिवार से घटना के बारे में बताया। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अलग अलग टीम बनाई और आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के मथखड क्षेत्र की एक सोसायटी में रहनेवाले परिवार की 8 साल की बेटी बीते दिन ट्यूशन गई थी। बच्ची ट्यूशन से जब अपने घर लौट रही थी, तब रास्ते में एक ऑटो रिक्शा चालक ने उसे रोक लिया और मोल में टी शर्ट दिलाने का वादा कर अपनी रिक्शा में बिठा लिया। ऑटो ड्राइवर मासूम बच्ची को सूनसान जगह पर ले गया और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। जिसके बाद बच्ची को वहां छोड़कर ऑटो ड्राइवर फरार हो गया। ऑटो ड्राइवर के शिकंजे से मुक्त होकर घर लौटी बच्ची ने परिवार को घटना के बारे में बताया। परिवार ने सूरत की रांदेर पुलिस को घटना की शिकायत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने चार अलग अलग टीमें बनाई। साथ ही आसपास लगे करीब 60 जितने सीसीटीवी कैमरों के फूटेज खंगाले। जिसमें एक ऑटो रिक्शा में बिठाकर कोई अज्ञात शख्स ले जाते दिखाई दिया। जिसके बाद 300 जितनी ऑटो रिक्शा की जांच की गई। आखिरकार आरोपी ऑटो ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी होजेफा मोहमद रफीक सूरत के रांदेर क्षेत्र के सुबेदार स्ट्रीट में रहता है। पकड़े गए आरोपी ने कबूल किया है कि उसने बच्ची को मोल में टी शर्ट दिलाने का बहाने पहले अपहरण किया और बाद में उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी होजेफा मोहमद रफीक वर्ष 2019 में भी अठवा पुलिस थानान्तर्गत अन्य बच्ची के साथ शारीरिक छेड़छाड़ के मामले में पकड़ा जा चुका है।

अगले सप्ताह गुजरात में दस्तक दे सकता है मानसून, 4-5 दिन राज्य में छुटपुट बारिश की संभावना

अहमदाबाद। गुजरात को मानसून की फिलहाल प्रतीक्षा करनी होगी। हांलाकि आगामी 4-5 दिनों तक राज्य में बादल छाए रहेंगे और छुटपुट बारिश हो सकती है। लेकिन जैसी बारिश की जरूरत है वैसी अगले सप्ताह से शुरू हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सप्ताह गुजरात में मानसून की दस्तक होगी। तब तक गुजरात के आसमान में बादल छाये रहेंगे और छुटपुट बारिश होगी। लेकिन गुजरात में मानसून का विधिवत प्रारंभ अगले सप्ताह में होगा। मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के बाद राज्य में कई जगह मूशलाधार बारिश हुई थी और अब भी छुटपुट बारिश हो रही है। लेकिन अपेक्षित बारिश की प्रतीक्षा है। अगले पांच दिनों तक राज्य में छुटपुट बारिश को छोड़ कहीं भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हांलाकि उत्तर और दक्षिण गुजरात में कई जगह बारिश हो सकती है। जिसमें साबरकांठा, बनासकांठा, महीसागर, दाहोद इत्यादि शामिल है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल में एक बरसाती सिस्टम सक्रिय है और मानसून फिलहाल उड़ीसा तक पहुंच गया है। संभावना है कि अगले सप्ताह गुजरात में मानसून दस्तक दे सकता है। बता दें कि चक्रवाती तूफान के असर गुजरात में हुई मूशलाधार बारिश की वजह से राज्य के किसानों ने बुवाई तो कर ली है। ऐसे में अगर मानसून के आगमन में विलंब होता है तो किसानों की बुवाई निष्फल हो सकती है। किसान प्रार्थना कर रहे हैं कि गुजरात में जल्द से जल्द मानसून का आगमन हो।

पराई बीवी के साथ होटल में पकड़े गए ‘आप’ विधायक ने कहा-मुझे बदनाम करने की साजिश

अहमदाबाद। कई रंगीनमिजाज के नेताओं की युवतियों के साथ रंगरेलियां मनाते पकड़े जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसी ही एक घटना में आम आदमी पार्टी (आप) विधायक भूपत भायाणी की सामने आई है। जो सूरत में पराई स्त्री के साथ होटल में रंगरेलिया मनाते पकड़े गए हैं। भूपत भायाणी को किसी और ने नहीं बल्कि महिला के पति ने ही पकड़ा है। पकड़े जाने के बाद भूपत भायाणी चेहरा छिपाकर भागते हुए नजर आ रहे हैं। पूरी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद भूपत भायाणी का बयान सामने आया है। घटना को भूपत भायाणी ने उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है। दरअसल भूपत भायाणी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें भूपत भायाणी एक महिला के साथ गेस्टहाउस के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज करने के बाद हस्ताक्षर करते नजर आ रहे हैं। भायाणी के बाद महिला ने रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। जिसके बाद करीब 50 मिनट तक भायाणी महिला के साथ गेस्ट हाउस में एकांत बिताया। यह घटना 8 जून 2023 की सुबह 10.25 बजे की है। जब भायाणी महिला के साथ गेस्ट हाउस में प्रवेश करते हैं। महिला भी स्वैच्छा से आई थी, जिससे उसने भी गेस्ट हाउस के रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। जिसके बाद 11.12 बजे भूपत भायाणी चेहरा छिपाए गेस्ट हाउस से भागते नजर आ रहे हैं। भायाणी के साथ महिला के पति ने ही दोनों को एक साथ रंगे हाथ पकड़ा था।

गुजरात को बदनाम करने के मामले में पूर्व आईपीएस बी श्रीकुमार को बड़ा झटका, कोर्ट ने ठुकराई याचिका

अहमदाबाद। 2002 के सांप्रदायिक दंगों को लेकर गुजरात को बदनाम करने के मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी बी श्रीकुमार को अहमदाबाद सेशन्स कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने श्रीकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमं उन्होंने मामले से मुक्ति देने की मांग की थी। बता दें कि गुजरात दंगे और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सेतलवाड, आरबी श्रीकुमार और संजीव भट्ट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और इसकी सुनवाई चल रही है। मामला दर्ज होने के बाद हलफनामे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पूरे मामले से मुक्ति के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी बी श्रीकुमार ने अहमदाबाद के सेशन्स कोर्ट में अपील की थी। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पूर्वाग्रह रखते हुए सरकार ने इस मामले से उन्हें जोड़ा है। उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता इसलिए उन्हें आरोपमुक्त किया जाए। हांलाकि श्रीकुमार की इस याचिका का सरकारी वकील ने विरोध किया। गौरतलब है श्रीकुमार की याचिका पर गत 12 जून को दलीलें पूर्ण हो गई थीं। दोनों पक्षों की ओर से धारदार दलील की गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें पूर्ण होने के बाद आज सेशन्स कोर्ट ने आईपीएस बी श्रीकुमार की मामले से मुक्ति देने की याचिका को खारिज कर दिया है। सेशन्स कोर्ट इस मामले पर अगले सुनवाई 26 जून को करेगी।

आईएसजीजे द जेम्स एंड ज्वेलरी कॉलेज के 100 विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

सूरत। नई पीढ़ी के लिए हीरे और आभूषणों के क्षेत्र में शहर के एकमात्र आईएसजीजे द जेम्स एंड ज्वेलरी कॉलेज ने वर्ष 2022-23 के लगभग 100 पासआउट छात्रों को विभिन्न डिग्री प्रदान करने के लिए एक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया।

दिनांक- शुक्रवार 23 जून सुबह 11 बजे होटल पार्क इन में जीजेईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री विजयभाई मांगुकिया और कलामंदिर ज्वैलर्स के निदेशक श्री मिलनभाई शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डिग्री प्राप्त करने वाले लगभग 100 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह पर टिप्पणी करते हुए कॉलेज के अध्यक्ष कल्पेशभाई देसाई ने कहा कि वर्ष 2022-23 में लगभग 100 छात्र कॉलेज से स्नातक हुए हैं। जिसमें 3 वर्षीय जेम्स एंड ज्वैलरी ग्रेजुएशन प्रोग्राम में 9 छात्र, 2-वर्षीय जेम्स एंड ज्वैलरी मास्टर प्रोग्राम में कार्यक्रम में 61 छात्र, ज्वैलरी मर्चेंडाइझिंग बिजनेस मैनेजमेंट में 1-वर्षीय पाठ्यक्रम में 7 छात्र और शॉर्ट टर्म कोर्स एडवांस्ड ज्वेलरी डिज़ाइन प्रोग्राम में 24 छात्र शामिल हैं। पॉलिश्ड डायमंड ग्रेजुएशन प्रोग्राम में 9 छात्र नामांकित हैं। रत्न पहचान कार्यक्रम में 10 विद्यार्थी शामिल हैं। इन सभी को डिग्री से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डिग्रीधारकों को मार्केटिंग, ब्रांडिंग और भविष्य के बारे में भी जानकारी दी गई। कॉलेज में पासआउट छात्रों में 40% छात्र गुजरात से हैं और 60त्न छात्र देश भर के अन्य राज्यों से हैं। इस कॉलेज से स्नातक ज्वेलरी, गोल्ड, डाइमंड, ई-कॉमर्स आदि में शानदार करियर बनाते हैं। मालूम हो कि इस आईएसजीजे कॉलेज में अंडर ग्रेजुएट (1-1 साल), मास्टर प्रोग्राम (2 साल) और ग्रेजुएट प्रोग्राम (3 साल) चल रहा है।

दीक्षांत समारोह में विशेष रूप से उपस्थित मुख्य अतिथि जीजेईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री विजयभाई मांगुकिया ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि आपने एक बहुत अच्छे उद्योग में प्रवेश किया है क्योंकि रत्न और आभूषण क्षेत्रमें भारत की जीडीपी का 7% हिस्सा है और भारत का निर्यात 15% योगदान है। जबकि भारत के जेम्स एंड ज्वैलरी क्षेत्र की निर्यात क्षमता 25 बिलियन से ऊपर है। साथ ही सूरत में पढ़ाई करना आपके लिए गर्व की बात है क्योंकि सूरत हीरों का केंद्र है और अगर पूरी दुनिया के हीरा निर्माण क्षेत्र में 10 हीरे तराशे जाते हैं तो उनमें से 9 सूरत में तराशे जाते होंगे, तो आपके लिए है। यह संस्थान वह स्थान है जिसे आपने चुना है। अगर आपने आईएसजीजे से पढ़ाई की है तो उससे ज्यादा कुछ नहीं है क्योंकि अगर आप कहीं और से सर्टिफिकेट कोर्स करते हैं तो आपको वहां ऊपरी ज्ञान मिलेगा लेकिन आईएसजीजे से आपको संसाधनपूर्ण ज्ञान मिलेगा।

सूर्यपुत्री तापी माता के जन्मदिन के अवसर पर श्री स्वामीनारायण एकेडमी के बच्चों ने तापी पूजन एवं तापी शुद्धिकरण हेतु सफाई अभियान चलाया

सूरत। सूर्य पुत्री तापी सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि सूरत की सभ्यता का गौरव और सूरत की जीवनधारा है, ऐसी पवित्र नदी की जयंती के अवसर पर, हमारे विद्यालय के संस्थापक स्वामी हरिवल्लभदासजी के आशीर्वाद और प्रशासक दिनेशभाई बी गोंडलिया के प्रोत्साहन से कक्षा 10 के छात्रों और शिक्षकों द्वारा तापी माता की पूजा की गई। तापी के पानी जैसा कोई बीज नहीं है लेकिन हमारी वजह से इतनी पवित्र नदी को नुकसान हुआ है। इसे पुनर्जीवित करने के लिए विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वयं नदी के किनारे एकत्र कूड़ा-कचरा उठाकर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने नाटक के माध्यम से आसपास के लोगों को ‘पर्यावरण बचाओ’ का संदेश देकर उनका हौसला भी बढ़ाया। स्कूल की ओर से की गई इस नई शुरुआत में फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने भी भरपूर सहयोग दिया। सभी स्कूली बच्चों ने ली सूरत के पर्यावरण की रक्षा की शपथ। स्कूल द्वारा उठाया गया यह कदम सूरत को और भी खूबसूरत बना देगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)